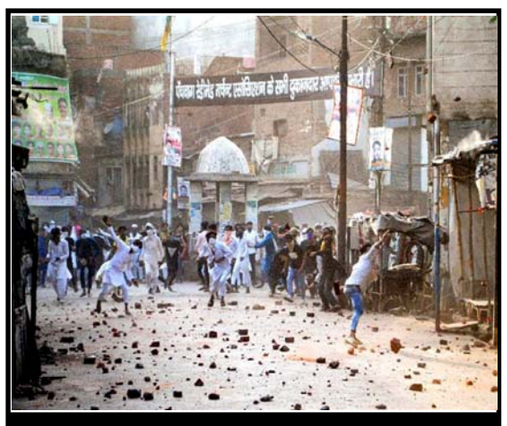

कानपुर हिंसा के आरोपितों को पकड़ने गई पुलिस टीम पर हमला, भीड़ ने एक उपद्रवी को छुड़ाया

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 174 दिनांक:07-06-2022 मंगलवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

भारत ने किया अग्नि-4 मिसाइल का सफल परीक्षण, 20 मिनट में चीन और पाक के किसी भी शहर को कर सकती है ध्वस्त

दुनिया ने देखा पाक में हिंदुओं और सिखों पर जुल्म सीख देने की कोशिश पर नसीहत

नई दिल्ली (ईएमएस)। अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के लिए दुनिया भर में बदनाम पाकिस्तान को पैगंबर मोहम्मद पर विवादित टिप्पणी के मामले में बोलना भारी पड़ा है। भारत ने उसकी टिप्पणियों को खारिज करते हुए कहा कि आपका रिकॉर्ड दुनिया ने देखा है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'हमने पाकिस्तान की ओर से आए बयानों और टिप्पणियों को संज्ञान में लिया है। अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न का जो पाकिस्तान का रिकॉर्ड रहा है, उसके बारे में दुनिया जानती है और उसने यह देखा है कि कैसे हिंदुओं, सिखों, ईसाइयों और अहमदियों पर जुल्म हुए। भारत ने कहा कि दुनिया ने देखा है कि पाकिस्तान में कैसे सिस्टम की मदद से अल्पसंख्यकों पर जुल्म हुए हैं। भारत में सभी धर्मों का सम्मान किया जाता है। यहां पाकिस्तान जैसी स्थिति नहीं है कि धार्मिक आधार पर उत्पीड़न करने वाले लोगों को सम्मानित किया जाए और उनके नाम पर स्मारक बन जाएं। पाकिस्तान में ऐसा ही होता रहा है। भारत सरकार ने कहा कि पाकिस्तान को अपने देश में अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा पर ध्यान देना चाहिए। उसे दूसरे देश के खिलाफ प्रॉपेगेंडा फैलाने और सामाजिक सद्भाव को खराब करने वाली बात नहीं करनी चाहिए। इस तरह भारत ने पाकिस्तान को अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ उत्पीड़न को लेकर अपने गिरेबां में झांकने की नसीहत दी है। बता दें कि अमेरिकी विदेश मंत्रालय की ओर से हाल ही में धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर एक रिपोर्ट जारी की गई थी। इसमें पाकिस्तान को विशेष चिंता वाले देश की कैटेगरी में डाला गया है। गौरतलब है कि पैगंबर मोहम्मद पर विवादित टिप्पणी के मामले में भाजपा ने प्रवक्ता नूपुर शर्मा को पार्टी से सस्पेंड कर दिया है। इसके अलावा एक अन्य नेता नवीन जिंदल पर भी ऐक्शन लिया गया है। गौरतलब है कि इस टिप्पणी के चलते ही कानपुर में बवाल हो गया था और सऊदी अरब, ईरान, ओमान, बहरीन और कतर समेत कई मुस्लिम देशों ने भारतीय राजदूत को तलब कर विरोध जाहिर किया है।

परमाणु हमले में सक्षम अग्नि-4 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने परमाणु हमले में सक्षम अग्नि-4 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण ओडिशा के एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किया। इसका परीक्षण स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड के तत्वावधान में किया गया। अग्नि-4 की मारक क्षमता 4000 किलोमीटर है। इस प्रक्षेपण ने सभी परिचालन मापदंडों के साथ-साथ रक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता को भी मान्यता प्रदान किया है। यह सफल परीक्षण 'क्रेडिबल मिनिमम डिटेरेंस (विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोध)' क्षमता रखने की भारत की नीति की पुष्टि करता है।

बता दें कि इससे पहले भारत परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम सतह से सतह पर मार करने वाली अग्नि-5 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण कर चुका है। इसकी मारक क्षमता 5000 किलोमीटर थी।

गौरतलब है कि हाल ही में भारतीय नौसेना ने एक ''सीकिंग हेलीकॉप्टर'' से स्वदेश विकसित पहली नौसैनिक पोत रोधी मिसाइल का सफल परीक्षण किया था। परीक्षण ओडिशा के बालासोर में एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) में किया गया था। वहीं इससे पहले भारतीय नौसेना और अंडमान निकोबार कमान ने 'सुपरसोनिक क्रूज' मिसाइल ब्रह्मोस के पोत-रोधी संस्करण का संयुक्त रूप से सफलतापूर्वक परीक्षण किया था।

भाजपा नेताओं की टिप्पणी पर खाड़ी देशों में उबाल, कतर, कुवैत के बाद ईरान ने भी भारतीय राजदूत को तलब किया

तेहरान (ईएमएस)। पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ कथित तौर पर भाजपा नेताओं की विवादित टिप्पणी को लेकर खाड़ी देशों में भारत का विरोध देखने को मिल रहा है। कतर, कुवैत के बाद अब ईरान ने भी भारतीय राजनयिक को तलब कर अपनी नाराजगी जाहिर की है। इधर, भाजपा ने कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर अपने दो पार्टी नेताओं पर एक्शन लिया है। भाजपा ने प्रवक्ता नूपुर शर्मा को सस्पेंड कर दिया है। वहीं, दिल्ली भाजपा के नेता नवीन कुमार जिंदल को पार्टी से निकाल दिया गया है।

टिप्पणी का विवाद जब अरब देशों तक पहुंचा तो भारत के सामानों के बहिष्कार की मुहिम देखने को मिली। वहीं कतर ने भारतीय राजनयिक दीपक मित्तल को तलब किया। कतर के विदेश मंत्रालय ने भारतीय राजनयिक को ज्ञापन सौंपा और मांग की है कि भारत सरकार इस बयान की आलोचना करे और माफी मांगे। ज्ञापन में कहा गया है कि इस तरह के बयान हिंसा भड़का सकते हैं। कतर ने कहा कि यह बयान पूरी दुनिया के मुस्लिमों का अपमान है। कुवैत ने भी इस बयान के मामले में भारतीय राजनयिक को तलब किया। कुवैत में भारतीय दूतावास की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि राजदूत ने कुवैती विदेश मंत्रालय को बताया है कि टिप्पणी व्यक्तिगत है। ट्वीट या किसी भी तरह के बयान भारत सरकार के विचार नहीं दिखाते हैं। इन लोगों पर सख्त कार्रवाई की गई है। इसके अलावा राजदूत ने कहा कि भारत सभी धर्मों का सम्मान करता है। अगले हफ्ते ईरानी विदेश मंत्री की भारत यात्रा होनी है।

उससे पहले पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ टिप्पणी का मामला सामने आया है, जिस पर ईरान ने भारतीय राजदूत को तलब किया है। मुलाकात के दौरान भारतीय राजदूत ने अफसोस व्यक्त किया। इसके साथ ही उन्होंने बताया पैगंबर मोहम्मद का अपमान अस्वीकार्य है। कोई भी व्यक्तिगत बयान भारत सरकार की स्थिति को नहीं दर्शाता। राजदूत ने ईरान को ये भी बताया कि बयान देने वाले लोग भारत सरकार से जुड़े नहीं हैं और उन्हें उनकी पार्टी ने भी निकाल दिया है।

विवादित बयान मामले में बीजेपी प्रवक्ता नूपुर शर्मा को मुंबई पुलिस समन भेजेगी- पुलिस आयुक्त

मुंबई, (ईएमएस)। एक टीवी डिबेट के दौरान पैगंबर मोहम्मद पर विवादित बयान देने के मामले में अब मुंबई पुलिस भी एक्शन में आ गई है. इस मामले में पुलिस आयुक्त संजय पांडे ने कहा कि मुंबई पुलिस जल्द ही निलंबित बीजेपी प्रवक्ता नूपुर शर्मा को समन भेजेगी और उनका बयान दर्ज करेगी. आपको बता दें कि बीजेपी नेता नुपुर शर्मा ने हाल ही में एक टीवी डिबेट के दौरान पैगंबर मोहम्मद पर विवादित टिप्पणी की थी. ऐसा दावा किया जा रहा है कि उनके इस बयान के बाद ही कानपुर में हिंसा भड़की. इस मामले में विवाद बढ़ने के बाद बीजेपी आलाकमान ने नूपुर शर्मा को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया है.वहीं इस विवाद को लेकर खाड़ी देशों ने भारत से विरोध जताया है और भारतीय राजदूतों को तलब किया है. दरअसल इस विवादित बयान को लेकर देश और विदेश में हंगामा जारी है. यह मामला इतना बढ़ गया था कि कतर, कुवैत और ईरान ने भारतीय राजदूतों को नूपुर शर्मा की टिप्पणी पर समन भेजा था. वहीं दूसरी तरफ पैगंबर मोहम्मद पर विवाद के बाद बीजेपी ने एक बयान में कहा कि वो किसी भी विचारधारा के खिलाफ है जो किसी भी संप्रदाय या धर्म का अपमान करती है.

- नूपुर शर्मा ने दी सफाई

पैगंबर मोहम्मद को लेकर विवाद बढ़ने के बाद नूपुर शर्मा ने अपनी सफाई में कहा है कि वो महादेव के अपमान को बर्दाश्त नहीं कर पाई और रोष में आकर कुछ चीजें कह दी. अगर मेरे शब्दों से किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची हो तो मैं अपने शब्द वापस लेती हूं.

कांग्रेस बोली- विवादित बयान देने वालों को गिरफ्तार किया जाए, भाजपा की गलती के लिए देश नहीं मांगेगा क्षमा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भाजपा के दो नेताओं की पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ विवादित टिप्पणी को लेकर कांग्रेस ने निशाना साधा और कहा कि भाजपा ने देश को शर्मिंदा किया है, भाजपा की इस गलती के लिए भारत माफी नहीं मांगेगा। मुख्य विपक्षी पार्टी ने यह भी कहा कि भाजपा के नेतृत्व को माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस ने कहा कि विवादित टिप्पणी करने वाले नेताओं को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। भाजपा ने रविवार को अपनी राष्ट्रीय प्रवक्ता नूपुर शर्मा को निलंबित कर दिया था। इसके बाद दिल्ली के अपने मीडिया प्रमुख नवीन कुमार जिंदल को भी निष्कासित कर दिया था। पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ दोनों नेताओं की कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर कुछ मुस्लिम देशों की ओर से कड़ी आपत्ति जताए जाने के बाद से विरोध बढ़ गया था। कांग्रेस ने सोमवार को ट्वीट किया, 'भाजपा की गलती की माफी देश नहीं मांगेगा। भाजपा की गलती की माफी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मांगें। देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदा करने वाले असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई के नाम पर नाटक करने की बजाए उन्हें गिरफ्तार किया जाए।'

पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि भारत माफी मांगे, ऐसी गलती हमारे देश ने नहीं की है। गलती भाजपा ने की है, उसका खामियाजा देश क्यों भुगते? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को राजधर्म के बारे में कतर और कुवैत द्वारा याद दिलाया जा रहा है। इससे ज्यादा शर्म की बात कुछ नहीं हो सकती। प्रधानमंत्री और उनकी पार्टी ने हम सबका सिर नीचे झुका दिया। खेड़ा ने कहा कि हमारे देश ने गलती नहीं की है। भाजपा को माफी मांगनी चाहिए। प्रधानमंत्री जी, अगर आप सही समय पर बोल देते और जहर घोलना बंद करवा देते तो आज हमें शर्मिंदा नहीं होना पड़ता। प्रधानमंत्री जी, पहले आपको देश के लोगों से माफी मांगनी चाहिए।

आरबीआई ने अफवाहों पर लगाया विराम, नोटों पर महात्मा गांधी की तस्वीर को बदलने का कोई प्रस्ताव नहीं

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने साफ किया है कि कि बैंक नोटों पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की तस्वीर को बदलने का कोई प्रस्ताव नहीं है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि मीडिया के कुछ वर्गों में ऐसी खबरें आई हैं कि भारतीय रिजर्व बैंक नोटों पर महात्मा गांधी की तस्वीर हटाकर दूसरे लोगों की इमेज लगाने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। आरबीआई के चीफ जनरल मैनेजर योगेश दयाल की तरफ से कहा गया हैं कि उसके पास ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। पिछले दिनों कुछ खबरों में बताया गया था कि वित्त मंत्रालय और आरबीआई कुछ मूल्यवर्ग के बैंक नोटों पर गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर और पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम सहित अन्य प्रमुख भारतीयों के चित्रों का उपयोग करने पर विचार कर रहे हैं। खबरों में दावा किया गया था कि कुछ बैंक नोटों की एक श्रृंखला पर कलाम और टैगोर के वॉटरमार्क का इस्तेमाल करने पर विचार कर रहा है।

टैगोर का नाम देश और दुनिया में तो लोग आदर के साथ लेते हैं ही, लेकिन बंगाल में उन्हें एक विशेष दर्जा दिया जाता है। बंगाल में बड़ी संख्या में घरों में रवीन्द्रनाथ टैगोर की तस्वीर देखी जा सकती है। वहीं, भारत के 11 वें राष्ट्रपति मिसाइल मैन डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम देश के एक महान व्यक्तित्वों में से एक हैं।

दरअसल आरबीआई और सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मीटिंग कार्पोरेशन ऑफ इंडिया ने आईआईटी-दिल्ली के प्रोफेसर दिलीप टी साहनी को गांधी, टैगोर और कलाम वॉटरमार्क के नमूनों के दो अलग-अलग सेट भेजे हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि साहनी को दो सेटों में से चुनने और उन्हें सरकार द्वारा अंतिम विचार के लिए पेश करने के लिए कहा गया है। वॉटरमार्क की जांच करने वाले प्रोफेसर साहनी इलेक्ट्रोमैग्नेटिक इंस्ट्रुमेंटेशन में माहिर हैं। उन्हें इस साल जनवरी में मोदी सरकार द्वारा पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। लेकिन आरबीआई ने इस रिपोर्ट को खारिज करते हुए कहा कि उसके पास ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

देश के 10 राज्यों में बढ़े कोरोना के केस, पिछले हफ्ते की तुलना में सामने आए 45 फीसदी ज्यादा मामले

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में कोरोना की रफ्तार फिर तेज हो गई है। पिछले एक हफ्ते में देश में 25000 से ज्यादा मामले मिले हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि तीन महीने बाद एक हफ्ते में इतने केस मिले हैं। वहीं, पिछले हफ्ते की तुलना में इस बार 45 फीसदी केस बढ़ गए हैं। देश के 10 राज्यों में कोरोना के मामलों में इजाफा देखने को मिला है। सिर्फ केरल और महाराष्ट्र में 60 फीसदी केस मिले हैं।

इन सभी 10 राज्यों में पिछले 1 हफ्ते में केस तेजी से बढ़े हैं। भारत में 7 मार्च से 13 मार्च तक कोरोना के 25000 से ज्यादा केस मिले थे। वहीं, अब 30 मई से 5 जून तक 25000 से ज्यादा केस दर्ज किए गए हैं। इससे पहले हफ्ते में 17361 केस सामने आए हैं।

केरल में एक हफ्ते में 8000 केस मिले हैं। यह पिछले हफ्ते की तुलना में 65 फीसदी ज्यादा हैं। महाराष्ट्र में एक हफ्ते में 7253 नए केस दर्ज किए गए हैं। पिछले हफ्ते में 3142 केस मिले हैं। यहां रविवार को कोरोना के 1494 केस मिले हैं। ये 106 दिन बाद सबसे ज्यादा हैं। इससे पहले 19 फरवरी को इतने केस मिले थे। दिल्ली में लगातार कोरोना के केस कम हो रहे हैं। यहां पिछले एक हफ्ते में 2419 केस मिले हैं। जबकि इससे पहले एक हफ्ते में 2757 केस मिले थे।

देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 4518 केस सामने आए हैं। यानी कल की तुलना में 5.8ज्ञ ज्यादा केस मिले है। सबसे ज्यादा केस केरल में 1,544, महाराष्ट्र में 1494, दिल्ली में 343, कर्नाटक में 301 और हरियाणा में 148 केस मिले हैं। देश में मिले कुल केसों में 84.77ज्ञ केस इन्हीं 5 राज्यों में मिले हैं। वहीं, केरल में अकेले 34.17ज्ञ केस मिले हैं। भारत में पिछले 24 घंटे में 9 लोगों की मौत हो गई। अब तक देश में 5,24,701 लोगों की मौत हो चुकी है। भारत में अब तक कोरोना के 43181335 केस मिले चुके हैं। पिछले 24 घंटे में देश में 4518 केस सामने आए हैं। यानी कल की तुलना में 5.8ज्ञ ज्यादा केस मिले है। पिछले 24 घंटे में 9 लोगों की मौत हो गई। अब तक देश में 5,24,701 लोगों की मौत हो चुकी है।

पुलिस ने कानपुर में हुई हिंसा में संलिप्तता के आरोप में सोमवार को नौ और आरोपियों को गिरफ्तार किया

कानपुर (ईएमएस)। पुलिस ने कानपुर में हुई हिंसा में संलिप्तता के आरोप में सोमवार को नौ और आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिसके बाद इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की कुल संख्या बढ़कर 38 हो गई। इस बीच, पुलिस ने बताया कि हिंसा में कथित तौर पर शामिल प्रमुख आरोपियों के होर्डिंग बनाए गए हैं और इन्हें प्रभावित इलाकों और आसपास के इलाकों में प्रमुख स्थानों पर लगाया जाएगा। पुलिस ने सोमवार को एक पोस्टर जारी भी किया है, जिसमें 40 आरोपियों की फोटो लगाई गई है।

अपर पुलिस आयुक्त (कानून और व्यवस्था) आनंद प्रकाश तिवारी ने कहा, ''हमने सीसीटीवी फुटेज और वीडियो क्लिप के माध्यम से लगभग 100 और दंगाइयों एवं पथराव करने वालों की पहचान की है।' उन्होंने कहा कि तलाश अभियान जारी है और दंगाइयों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए सभी संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

खस्ताहाल है यमुनोत्री हाईवे पर हरबर्टपुर से बड़कोट के बीच 111 किमी सड़क, हादसों में हो चुकी है दर्जनों की मौत

उत्तरकाशी (ईएमएस)। यमुनोत्री नेशनल हाइवे का हरबर्टपुर से नौगांव तक का मार्ग बहुत खस्ताहाल हो चुका है। यह रोड अब हादसों का मार्ग कहलाता है, क्योंकि इस मार्ग पर अक्सर हादसे होते रहते हैं। उत्तरकाशी जिले के पुरोला क्षेत्र में रविवार देर शाम डामटा के पास रिखावू खड्ड के निकट हुए हादसे ने 26 जिंदगियों को खत्म कर दिया। स्थानीय निवासी और पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष के मुताबिक 1985 में इसी मार्ग पर डामटा के निकट हुए हादसे में 22 लोगों की मौत हुई थी जबकि एक अन्य हादसे में 14 लोग नैन गांव के पास मारे गए थे।

यहां 2018 में भी 17 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी, लेकिन फिर भी प्रशासन ने सबक नहीं लिया। दुपहिए वाहनों के आंकड़ों पर यदि गौर किया जाए तो पिछले 10 सालों में दर्जन भर से अधिक दुपहिया चालक हादसे के शिकार हो चुके हैं। उत्तराखंड जब उत्तरप्रदेश के अधीन था, तो उस समय इस मार्ग को दिल्ली यमुनोत्री नेशनल हाइवे-123 के नाम से जाना जाता था। सन 2002 में इस मार्ग को हरबर्टपुर बड़कोट हाइवे-507 के रूप में जाना जाने लगा। यह वही मार्ग है जहां से यात्राकाल में हजारों श्रद्धालु यमुनोत्री के दर्शनों के लिए आवाजाही करते हैं।

मान्यता है कि चारों धामों में यमुनोत्री धाम के दर्शन सर्वप्रथम किए जाने चाहिए, लेकिन इस मार्ग का चौड़ीकरण अभी तक नहीं किया जा सका है। लगभग 111 किलोमीटर का यह रोड पोंटा साहिब से लगे हरबर्टपुर से शुरू होता है और यमुनोत्री धाम के अहम पड़ाव बड़कोट को जोड़ता है।

यमुनोत्री हाइवे के पोल गांव से पाली गाड़ तक करीब 22 किलोमीटर का मार्ग चौड़ीकरण कर दिया गया है, लेकिन बेहद खतरनाक 111 किलोमीटर के इस मार्ग की सुध अभी तक नहीं ली गई है। स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर आक्रोश है। इस मार्ग के चौड़ीकरण को लेकर इस्थानीय जन प्रतिनिधि नितिन गडकरी सहित राजनाथ सिंह के समक्ष अपनी मांग रख चुके हैं, लेकिन अभी तक मार्ग का चौड़ीकरण नहीं हो पाया है।

वहीं, राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण खंड के इंजीनियर राकेश कुमार पंत ने बताया कि इस मार्ग की डीपीआर तैयार की जा रही है। उसके बाद मंत्रालय की अनुशंसा के आधार पर आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। फिलहाल कंसल्टेंसी कंपनी मार्ग की डीपीआर तैयार कर रही है। बता दें कि उत्तरकाशी जिले के पुरोला क्षेत्र में रविवार देर शाम डामटा के पास रिखावू खाई में तीर्थयात्रियों से भरी बस जा गिरी। गाड़ी में सवार मध्य प्रदेश स्थित पन्ना जिले के जखला गांव के 26 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई थी। हादसे के समय बस ड्राइवर और कंडक्टर सहित 30 यात्री सवार थे। हादसे में घायल हुए 4 यात्रियों को देहरादून के मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हिमाचल में बड़ी संख्या में विधायकों का टिकट कटने की तैयारी में भाजपा

शिमला (ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश में 1985 के बाद से चले आ रहे सत्ता विरोधी रुझान को खत्म करने की कोशिश में भाजपा लगी है। सत्तारूढ़ बीजेपी होने वाले चुनावों में बड़ी संख्या में विधायकों को बदलने के लिए तैयार है। हिमाचल के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि विधायकों के प्रदर्शन का आकलन चल रहा है और बदलाव निश्चित रूप से होगा। मालूम हो कि उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में भाजपा ने इस नीति पर चलकर सरकार बनाकर इतिहास रचा था।

सीएम ठाकुर ने नहीं बताया कि कितने विधायक टिकट खो सकते हैं, लेकिन कहा कि संख्या बड़ी होगी। उन्होंने कहा, विधायकों के प्रदर्शन का बहुत ही सूक्ष्म मूल्यांकन हो रहा है। पार्टी आलाकमान मामले में काफी सोच-समझकर काम करता है और गहन मूल्यांकन के बाद ये फैसले लिए जाते हैं। परिणाम हमेशा सकारात्मक रहे हैं, जैसा कि हमने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में देखा। जिन्होंने प्रदर्शन नहीं किया है और हाई सत्ता विरोधी लहर वाले विधायकों को निश्चित रूप से बदला जाएगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार सत्ता में लौटने के लिए तैयार है। पार्टी ने लोगों को लाभान्वित करने के लिए जिले और निर्वाचन क्षेत्र के अनुसार प्रमुख परियोजनाओं की पहचान की है। इनके लिए धन जारी किया गया है और इसे पूरा करने के लिए अगस्त तक की लक्ष्य रखा है। हमारा अनुमान है कि करीब 5,000 करोड़ रुपये के चल रहे प्रोजेक्ट्स को अगस्त तक पूरा कर लिया जाएगा। समान नागरिक संहिता पर राज्य सरकार की पूर्व घोषणा पर सीएम ठाकुर ने कहा कि हम जल्दी में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हमने उत्तराखंड मॉडल का अध्ययन कर कानूनी रूप से मामले की जांच कर रहे हैं।

धमकी भर खत मिलने पर बढ़ाई गई सलमान और उनके पिता सलीम की सुरक्षा

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र सरकार ने सलमान और उनके पिता सलीम खान की सुरक्षा को और मजबूत कर दिया है। सलमान के पिता सलीम जब बीते रविवार की सुबह टहलने के लिए बाहर गए थे। तब एक बेंच पर उन्हें सलमान के नाम से धमकी भरा लेटर मिला। सोमवार को मामले को संज्ञान में लेकर महाराष्ट्र गृह विभाग ने उनकी सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने का फैसला किया है। वहीं मुबंई पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

बता दें कि हाल ही में पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की दिन दहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पंजाबी सिंगर मर्डर के बाद सलमान को धमकी भरा खत मिलने वाली खबरों से उनके फैंस परेशान हुए हैं। फैंस सलमान की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। इसके अलावा इंडस्ट्री के लोग भी हैरान हैं। मामले को गंभीरता से लेकर महाराष्ट्र गृह मंत्रालय ने उनकी सुरक्षा बढ़ाने का फैसला लिया गया है। मुंबई पुलिस के अधिकारी ने बताया कि 5 मई को ही इस बारे में प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है। अधिकारी के अनुसार, रविवार को सुबह की सैर के बाद सलीम खान बांद्रा बैंडस्टैंड में बेंच पर बैठे थे। उसी दौरान अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें एक पत्र दिया, जिसमें उन्हें और सलमान को जान से मारने की धमकी दी गई है। बाद में सलीम खान ने अपने सुरक्षाकर्मी की मदद से पुलिस से संपर्क कर बांद्रा थाने में इस संबंध में मामला दर्ज किया गया है।

गहलोत-पायलट के झगड़े में राजस्थान का विकास हुआ ठप्प-अठावले

- केन्द्रीय मंत्री ने मोदी सरकार के 8 साल पूर्ण होने पर सरकार की उपलब्धियों को गिनाया

जयपुर (ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले आज डूंगरपुर जिले के दौरे पर रहे अपने दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री डूंगरपुर सर्किट हाउस में मीडिया से रूबरू हुए. इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने केंद्र सरकार की 8 साल की उपलब्धियों को गिनाया. वहीं, प्रदेश के कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि प्रदेश में दलितों पर अत्याचार बढ़ रहा है वहीं, गहलोत और पायलट के आपसी झगड़े से राजस्थान का विकास ठप हुआ है।

डूंगरपुर सर्किट हाउस पहुंचने पर अठावले को पुलिस के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया इस दौरान राज्यसभा सांसद हर्षवर्धन सिंह, बांसवाड़ा-डूंगरपुर सांसद कनकमल कटारा, सभापति अमृतलाल कलासुआ सहित अन्य भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मंत्री का स्वागत किया इसके बाद केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले सर्किट हाउस में मीडिया से रूबरू होते हुए केंद्र की मोदी सरकार के 8 साल पूर्ण होने पर केंद्र सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने इन 8 सालों में सबका साथ देते हुए सबका विकास किया है केंद्र सरकार ने हर वर्ग का भला किया है. गरीब हो या अमीर सभी वर्गो को न्याय देने का काम किया है. इधर मीडिया से रूबरू होते हुए केंद्रीय मंत्री अठावले ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार को भी आड़े हाथों लिया. उन्होंने कहा कि राजस्थान में दलितों पर अत्याचार की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है, लेकिन राजस्थान सरकार उन घटनाओं पर लगाम लगाने में फेल हो रही है. इतना ही नहीं राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच झगड़ा चल रहा है और इस झगड़े की वजह से राजस्थान का विकास ठप हो गया है. उन्होंने कहा कि ऐसी सरकार को तो बदल देना चाहिए. इधर जम्मू कश्मीर में टारगेट किलिंग के सवाल पर मंत्री अठावले ने कहा कि जो घटनाएं हो रही है उसका अफसोस है और चिंताजनक है. वहीं, केंद्र सरकार और भारतीय सेना इस मामले को लेकर गंभीर है और भारतीय सेना आतंकवादियों को इसका मुंह तोड़ जवाब भी दे रही है. वहीं, अपने दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने विजया राजे सिंधिया ऑडिटोरियम में जन संवाद कार्यक्रम में भी भाग लिया।

आर्थिक मंदी का शिकार हो रहा देश, भाजपा के पास कोई उत्तर नहीं : राहुल गांधी

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी काफी आक्रामक मुद्रा हैं। इस मुद्दे को लेकर उन्होंने सोमवार को सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि देश में आर्थिक मंदी स्पष्ट रूप से नजर आ रही है, लेकिन 'नीतिगत दिवालियेपन की शिकार' इस सरकार के पास कोई जवाब नहीं है। उन्होंने यह दावा भी किया कि देश में आज प्रति व्यक्ति आय दो साल पहले की तुलना में भी कम हो गई है। राहुल गांधी ने फेसबुक पोस्ट में कहा, 'भारतीय परिवार महंगाई और नौकरियां जाने की मार झेल रहे हैं। आज प्रति व्यक्ति आय दो साल पहले की तुलना में भी कम है। प्रति व्यक्ति आय 94,270 रुपये से घटकर 91,481 रुपये हो गई है। भारत की आर्थिक मंदी साफ नजर आती है। नीतिगत दिवालियेपन की शिकार भाजपा सरकार के पास कोई जवाब नहीं है।' उन्होंने दावा किया कि आर्थिक हालात आगे और खराब होंगे।

कार्टून कोना

पीएम मोदी ने 1, 2, 5, 10 और 20 रुपयों के सिक्कों की नई श्रृंखला जारी की

जन समर्थ पोर्टल' लांच किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वित्त और कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय के 'आइकानिक वीक समारोह का उद्घाटन किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने 1, 2, 5, 10 और 20 रुपयों के सिक्कों की नई श्रृंखला भी जारी की। ये सिक्के आजादी का अमृत महोत्सव को समर्पित हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये सिक्के लगातार लोगों को अमृत काल के लक्ष्यों की याद दिलाएंगे और उन्हें राष्ट्र के विकास में योगदान करने के लिए प्रेरित करने वाले हैं। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में उपस्थित वित्त और कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय के अधिकारियों, कर्मचारियों से कहा, 'आप सभी इस विरासत का हिस्सा हैं। देश के आम जन के जीवन को आसान बनाना हो, या देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त करना हो, बीते 75 वर्षों में अनेक साथियों ने इसमें बहुत योगदान दिया है। बीते वर्षों में वित्त और कॉरपोरेट मंत्रालय ने अपने कार्यों के द्वारा, सही समय पर सही निर्णयों के द्वारा अपनी एक विरासत बनाई है, एक बेहतरीन सफर तय किया है।

इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने क्रेडिट लिंक्ड सरकारी योजनाओं के लिए 'जन समर्थ पोर्टल' शुरू किया। यह पोर्टल अलग-अलग योजनाओं को एक ही मंच पर उपलब्ध कराएगा। यह अपने आप में पहला ऐसा पोर्टल होगा जो लाभार्थियों को ऋणदाताओं से जोड़ेगा।

पीएम मोदी ने कहा, आज यहां रुपये की गौरवशाली यात्रा को भी दिखाया गया। इस सफर से परिचित कराने वाली डिजिटल प्रदर्शनी भी शुरू हुई और आजादी के अमृत महोत्सव के लिए समर्पित नए सिक्के भी जारी हुए। आजादी के लंबे संघर्ष में जिसने भी हिस्सा लिया, उसने आंदोलन में नए आयाम को जोड़ा। आजादी का यह अमृत महोत्सव सिर्फ 75 वर्षों का उत्सव मात्र नहीं है, बल्कि आजादी के नायक, नायिकाओं ने आजाद भारत के लिए जो सपने देखे थे, उन सपनों को परिपूर्ण करना, उन सपनों में नया सामर्थ्य भरना, और नए संकल्पों को लेकर आगे बढ़ने का पल है। उन्होंने बीते 8 वर्षों में अपनी सरकार की उपलब्धियों को गिनाकर कहा, 'स्वच्छ भारत अभियान ने गरीब को सम्मान से जीने का अवसर दिया। पक्के घर, बिजली, गैस, पानी, मुफ्त इलाज जैसी सुविधाओं ने गरीब की गरिमा बढ़ाई, सुविधा बढ़ाई। कोरोना काल में मुफ्त राशन की योजना ने 80 करोड़ से अधिक देशवासियों को भूख की आशंका से मुक्ति दिलाई। सबसे बड़ी बात देश के लोगों में अभाव से बाहर निकलकर सपनें देखने और उन्हें साकार करने का नया हौंसला हमें देखने को मिला। देश की आधी आबादी, जो देश के विकास के विमर्श से, फॉर्मल सिस्टम से वंचित थी। उसका इन्क्लूजन हमने मिशन मोड में किया। वित्तीय समावेशन का इतना बड़ा काम, इतने कम समय में दुनिया में कहीं नहीं हुआ है। आज 21वीं सदी का भारत पीपल-सेंट्रिक गवर्नेंस एप्रोच के साथ आगे बढ़ा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ये जनता ही है जिसने हमें अपनी सेवा के लिए यहां भेजा है। इसलिए ये हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, कि हम जनता तक स्वयं पहुंचे। अलग-अलग मंत्रालयों के अलग-अलग वेबसाइटों के चक्कर उस लगाने से बेहतर कि वहां भारत सरकार के एक पोर्टल तक पहुंचे, और उसकी समस्या का समाधान हो। आज 'जन समर्थ पोर्ट

जन हितैषी

घर में नहीं दाने...

पाकिस्तान में बढ़ती महंगाई से हाय तौबा मची हुई है। गरीब जनता को आटा तेल तक नसीब नहीं हो पा रहा है। महंगाई के तेजी से बढ़ते ग्राफ से जनता को निजात दिलाने के बजाय पाकिस्तान ने आर्थिक तंगी के बीच अपना रक्षा बजट बढ़ाने का ऐलान किया है। रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुकी महंगाई के बीच पाकिस्तान ने अपने रक्षा बजट को 6 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है। बजट को बढ़ाने का निर्णय पाकिस्तान की आर्थिक समन्वय समिति के द्वारा लिया गया है। रक्षा बजट में बढ़ोतरी का यह फैसला ऐसे समय पर लिया गया है जब महंगाई 64 सप्ताह के उच्चतम स्तर है। देश में हर दिन महंगाई बढ़ रही है। पेट्रोलियम उत्पाद के दाम इस कदर बढ़ चुके हैं कि आम जनता की पहुंच से वे पूरी तरह से दूर हो गए हैं। सरकार का विदेशी मुद्रा भंडार भी तेजी से खाली हो रहा है। अगर पाकिस्तान में ऐसे ही हालात आने वाले कुछ और महीने बने रहे तो कही श्रीलंका जैसे हालात पाकिस्तान में भी न देखने को मिले। पिछले महीने के आखिरी सप्ताह में पाकिस्तान में विदेशी मुद्रा के भंडार में 366 मिलियन डॉलर की बड़ी गिरावट देखने को मिली थी। पाकिस्तान में आर्थिक तंगी इस कदर बढ़ चुकी है कि अब देश के पास दूसरे देशों से आयात होने वाली वस्तुओं के लिए भी ज्यादा पैसा नहीं बचा है। पाकिस्तान में प्रत्येक जवान पर सालाना खर्च 26.5 लाख रुपए है, जो भारत के खर्च का एक-तिहाई भी नहीं बैठता। ऐसे में 11.3 प्रतिशत की मुद्रास्फीति को लेने के बाद यह बढ़ोतरी 136 अरब रुपए की होनी चाहिए। मुद्रास्फीति को जोड़ने के बाद पाकिस्तान के सैन्य बलों को उनकी जरूरत से 53 अरब रुपए कम का ही आवंटन होगा। इन आंकड़ों के लिहाज से अगले वित्त वर्ष में पाकिस्तान का रक्षा बजट कुल व्यय का करीब 16 प्रतिशत बैठेगा। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में हिस्सेदारी के हिसाब से यह मौजूदा साल के 2.54 प्रतिशत से घटकर 2.2 प्रतिशत रह जाएगा। भारत में रक्षा बजट की कुल राशि 5,25,166 करोड़ है, जिसमें 1.19 करोड़ पेंशन और 1.52 करोड़ की राशि रक्षा सेवाओं के आधुनिकीकरण के लिए रखी गई है। एक साल पहले के मुकाबले चालू वित्त वर्ष के लिए बजट में 11 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। इस साल फरवरी में बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया था कि रक्षा अनुसंधान के मद में खर्च की जाने वाली 25 फीसदी राशि निजी उद्योगों, स्टार्टअप, अकादमियों को दी जाएगी। इसका मकसद देश के लिए जरूरी मिलिट्री प्लेटफार्म और उपकरणों के विकास के अलावा निर्माण देश में ही करना है। भारत की तरफ से पाक की हर नापाक हरकत और चाल का मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है। दूसरी ओर उसके जवानों को अफगानिस्तान की ताबिलानी फौजियों से भी कड़ी चुनौती मिल रही है। ऐसे में गले तक कर्ज में डूबा होने के बावजूद पाकिस्तान अपना रक्षा बजट बढ़ाकर खुद की सलामती का ख्वाब देख रहा है। कंगाली में जी रहे पाकिस्तान के पास न तो अरब देशों का कर्ज चुकाने को पैसा है और न ही देश में विकास कार्यों के लिए। कोरोना महामारी के बीच भी पाकिस्तान चीन की दी हुई वैक्सीन से काम चला रहा है लेकिन अभी तक उसने वैक्सीन खरीदी नहीं है। देश में गंभीर खाद्य संकट पैदा होने की चेतावनी दी जा रही है, इस तरह की तंगहाली में भी पाकिस्तान भारत से मुकाबला करने का साहस दिखा रहा है। बेहतर होता कि वह अपने नागरिकों की भलाई के लिए काम करता। अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने के प्रयास करता। मगर भारत के साथ दुश्मनी में पाकिस्तान इस कदर अंधा हो चुका है कि वह अपना भला-बुरा सोचने की ताकत खो चुका है।

'विश्वगुरू' को सीख देने का अक्षम्य अपराध....?

(अमेरिका की गुस्ताखी) 'चिटियों को पँख' आने की कहावत अब अमेरिका में चरितार्थ होती नजर आ रही है, अब वह प्रतिरक्षा संसाधनों को सिरमौर तो अपने आपको प्रदर्शित करता रहा ही है और अपने आपको विश्व की महान शक्ति निरूपित करता रहा है, किंतु अब उसने उन देशों को भी शिक्षा देने की जुर्रत की है, जो कभी 'विश्वगुरू' रहे है, इसका ताजा उदाहरण उसकी वह ताजा रिपोर्ट है जो उसने धार्मिक स्वतंत्रता के नाम पर जारी की है, जिसमें इस क्षेत्र में भी खुद को सर्वोपरी बताते हुए भारत सहित कई देशों की आलोचना की है। उसने अपनी हाल ही में जारी इस रिपोर्ट में लिखा है कि भारत में धार्मिक स्थलों पर हमले बढ़े है, जिसक कारण भारत में धार्मिक सौहार्द्र में काफी गिरावट आई है और भारत की मौजूदा सरकार हाथ पर हाथ रखे बैठी है।

अमेरिका ने अन्तर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग 2021 की रिपोर्ट जारी की है, जिसमें कहा गया है कि वह दुनिया भर के लोगों की धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए काम करता रहेगा, बड़े देशों के लोगों व धार्मिक स्थलों पर हमलों को लेकर अमेरिकी विदेशमंत्री एंटोनी क्लिंटन ने यह रिपोर्ट जारी की, रिपोर्ट में भारत के धार्मिक स्थलों पर बढ़ते हमलों को लेकर निशाना साधा गया है, तो अल्पसंख्यकों व महिलाओं पर हमलों को लेकर पाक, अफगानिस्तान और चीन की आलोचना की गई है। हालांकि इस अमेरिकी रिपोर्ट पर भारत ने सख्त आपत्ती जताते हुए इसे अन्तर्राष्ट्रीय वोट बैंक की राजनीति करार दिया है, विदेश मंत्रालय ने कहा है कि हमने अमेरिकी रिपोर्ट पर संज्ञान लिया है, दुर्भाग्यपूर्ण है कि अन्तर्राष्ट्रीय सम्बंधों में वोट बैंक की राजनीति की जा रही है, भारतीय विदेश मंत्रालयल ने अग्रह किया है कि एक तरफा जानकारी और पक्षपातपूर्ण विचारों के आधार पर आंकलन से बचा जाए।

यही नहीं, अमेरिका ने अपनी इस रिपोर्ट में विभिन्न गैर लाभकारी संगठनों (एनजीओ) और अल्पसंख्यक संस्थानों पर हुए हमलों को लेकर उनके आरोपों का उल्लेख भी किया है रिपोर्ट में कहा गया है कि 2021 में पूरे साल अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों के खिलाफ हत्या, मारपीट और धमकी के प्रकरण होते रहे, इनमें गायों की सुरक्षा को लेकर गोहत्या या बीफ के व्यापार के आरोपों के आधार पर गैर हिन्दुओं के खिलाफ हुए अपराध शामिल है। रिपोर्ट में संघ प्रमुख मोहन भागवत के उस बयान का भी उल्लेख किया गया है जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत में हिन्दुओं और मुसलमानों का डीएनए समान है और लोगों के बीच धर्म के नाम पर भेदभाव नहीं किया जाना चाहिये। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने 12 सितम्बर को सार्वजनिक रूप से कहा था कि उ.प्र. में पिछली सरकारों ने सुविधाओं के वितरण में मुसलमानों का अधिक समर्थन कर उन्हें अधिक लाभ पहुंचाया था, उनका इशारा शायद समाजवादी व कांग्रेस की सरकारों की ओर था।

अमेरिका ने अपनी इस रिपोर्ट में सिर्फ भारत की ही नहीं चीन, तालिबान और पाकिस्तान की भी जमकर धुलाई की। चीने के बारे में कहा गया कि वहां अन्य धर्मों के धर्मावलम्बियों को काफी परेशान किया जा रहा है, चीन उन अन्य धर्मो के लोगों अनुयायियों को परेशान कर रहा है, जिन्हें वह चीनी कम्युनिष्ट पार्टी के सिद्धांतों के खिलाफ मानता है इनमें तिब्बती, बौद्ध, इसाई, इस्लामी आदि के अनुयायी शामिल है। तालिबान की आलोचना वहां की महिलाओं और लड़कियों के कथित दमन के आधार पर की गई है, कहा गया है कि अफगानिस्तान में धार्मिक व स्वतंत्रता पूरी तरह खत्म कर दी गई है, महिलाओं व लड़कियों के शिक्षा व धर्म के अधिकार छीन लिए गए है। पाकिस्तान के लिए रिपोर्ट में कहा गया है कि वहां ईश निंदा पर मौत की सजा दी जा रही है, अकेले 2021 वर्ष के दौरान इस आरोप में 16 लोगों को फांसी पर लटकाया गया है।

अमेरिका की इस रिपोर्ट को लेकर इन दिनों जहां पूरी विश्व के देशों में खलबली मची हुई है, वहीं भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका को भारत पर लगाए गए आरोप का तीखा जवाब दिया है, कहा गया है कि ''अमेरिका पहले अपने यहां की 'बंदूक संस्कृति' (गन कल्चर) को रोके, फिर दूसरों को नसीहत दे।''

भारतीय विदेश मंत्रालय के अधिकारिक प्रवक्ता अरिन्दम बागची ने कहा कि एक स्वाभाविक रूप से बहुलवादी समाज के रूप में भारत धार्मिक स्वतंत्रता और मानवाधिकारों को महत्व देता है अमेरिका के साथ हमारी चर्चा में हमने नस्लीय और जातीय रूप से प्रेरित हमलों, घृणा, अपराधों और बंदूकी हिंसा सहित अमेरिकी चिंता के मुद्दों को नियमित रूप से उजागर किया है, इसलिए अमेरिका को पहले अपने यहां के गन कल्चर और नस्लीय हिंसा की बढ़ती घटनाओं की चिंता करनी चाहिए, फिर दूसरें देशों पर अंगुली उठाना चाहिये।

अन्तर्राष्ट्रीय सम्बंधों में यह वोट बैंक की राजनीति कतई ठीक नहीं है, यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण भी है। भारत ने तीखे शब्दों में अमेरिकी रिपोर्ट का जवाब देकर जहां अमेरिकी रिपोर्ट को खारीज कर दिया, वहीं ऐसे पक्षपाती रवैये से बचने की भी अमेरिका को सलाह दी है। भारत ने साथ ही अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए यह भी कहा कि भारत ने न सिर्फ अभी तक मानवीय अधिकारों का समर्थन किया है, बल्कि उनकी रक्षा भी की है, इसलिए अमेरिका को भविष्य में इस बारे में विशेष सतर्क रहना चाहिये। अमेरिका की इस रिपोर्ट के विश्व के कई देशों में अलग-अलग अर्थ निकाल कर कयास लगाए जा रहे है। (लेखक- ओमप्रकाश मेहता/ ईएमएस)

ईश्वर और अल्लाह को क्यों लड़वाएं?

भाजपा ने अपने प्रवक्ता और मीडिया सेल के प्रमुख के विरुद्ध सख्त कार्रवाई तो की ही, अपने आधिकारिक बयान में उसने यह भी स्पष्ट कर दिया कि वह भारत में प्रचलित सभी धर्मों के प्रति सम्मान की भावना रखती है। उस बयान में यह भी बताया गया कि उसके प्रवक्ता और मीडिया प्रमुख ने पैगंबर मुहम्मद और इस्लाम के बारे में जो कुछ भी कहा है, उससे वह सहमत नहीं है। भारत सरकार के प्रवक्ता ने कहा है कि भाजपा के इन कार्यकर्ताओं की टिप्पणी सनकीपने के अलावा कुछ नहीं है। भारत सरकार किसी धर्म, संप्रदाय या उसके महापुरुष के बारे में कोई भी निषेधात्मक विचार नहीं रखती है। भारत का संविधान सभी धर्मों को एक समान दृष्टि से देखता है। जरा खुद से आप पूछिए कि भाजपा और भारत सरकार को इतनी सफाइयां क्यों देनी पड़ गई हैं? इसका पहला कारण तो यह है कि इस्लामी देशों के सरकारें भाजपा के कार्यकर्ताओं की उन टिप्पणियों से बहुत नाराज हो गई हैं। सउदी अरब, ईरान, पाकिस्तान, कुवैत, बहरीन, कतर, ओमान आदि देशों की सरकारों ने न सिर्फ उक्त टिप्पणियों के भर्त्सना की है बल्कि इन देशों में भारतीय माल का बहिष्कार भी शुरु हो गया है। कोई आश्चर्य नहीं कि इन देशों में रहनेवाले भारतीयों का वहां जीना भी दूभर हो जाए। इस्लामी सहयोग संगठन ने संयुक्तराष्ट्र संघ से अपील की है कि वह भारत के विरूद्ध कार्रवाई करे। भारत में भी, खासतौर से कानपुर में भी इस मामले को लेकर भारी उत्पात मचा है। भाजपा के जिन दो पदाधिकारियों ने ये टिप्पणियां की हैं, उनका कहना है कि टीवी वाद-विवाद में जब शिवलिंग के बारे में भद्दी बातें कही गईं तो उसके जवाब में उन्होंने भी जो ठीक लगा, वह पैगंबर मुहम्मद और इस्लाम के बारे में कह डाला। लेकिन वे क्षमा-याचनापूर्वक खेद व्यक्त करते हैं। वे किसी का दिल नहीं दुखाना चाहते। लेकिन मेरा असली सवाल यह है और यह सवाल हिंदुओं, मुसलमानों, ईसाइयों और अन्य धर्मावलंबियों से भी है कि क्या वे सच्चे धार्मिक हैं? क्या वे सच्चे ईश्वरभक्त हैं? यदि हैं तो फिर किसी भी संप्रदाय की निंदा क्यों करना? सभी कहते हैं कि उनका धर्म, मजहब या संप्रदाय ईश्वर का बनाया हुआ है। क्या ईश्वर, अल्लाह, यहोवा, गॉड, अहुरमज्द अलग-अलग हैं? यदि आप उनको अलग-अलग मानते हैं तो आपको यह भी मानना पड़ेगा कि ये सब प्रकार के ईश्वर और अल्लाह मनुष्यों के बनाए हुए है। मनुष्य ही ईश्वरों और अल्लाहों को लड़ा देते हैं। क्या इसीलिए एक-दूसरों के धर्मों और महापुरुषों की निंदा की जाती है? दुनिया का कोई धर्मग्रंथ ऐसा नहीं है, जिसकी सब बातें आज भी मानने लायक हैं। सभी धर्मग्रंथों और सभी धार्मिक महापुरुषों में आप अत्यंत आपत्तिजनक दोष भी ढूंढ सकते हैं लेकिन उससे किसको क्या फायदा होनेवाला है? यदि हम सभी धर्मप्रेमियों और सारी मनुष्य जाति का हित चाहते हैं तो हमें सभी धर्मग्रंथों और धार्मिक महापुरुषों की सिर्फ सर्वहितकारी बातों पर ही ध्यान देना चाहिए।

डॉ. वेदप्रताप वैदिक, ईएमएस, 06 जून, 2022

कहो तो कह दूँ- ये जालिम ठजीभठ ही तो है जो ठकमरठ को ठकमरेठ में बदल देती है (लेखक- चैतन्य भट्ट / ईएमएस)

ठपतली कमरठ के बारे में कहा जाता है कि ये किसी भी महिला और पुरुष की खूबसूरती का आइना होती है, महिलाओं में तो विशेष तौर पर पतली कमर को उनकी खूबसूरती का सबसे बड़ा पैमाना माना जाता है इसलिए लोग बाग़ अपनी कमर को पतला रखने के लिए तमाम तरह के जतन भी करते हैं लेकिन ये भी सच्चाई है कि एक बार यादि कमर पर मांस चढ़ जाए तो हजार जतन कर लो फिर वो नहीं उतरता, इसलिए कोशिश ये ही रहती है की कमर पर मांस न चढ़ सके लेकिन ये ठजीभठ भी तो बड़ी जालिम चीज है ऐसे ऐसे स्वाद ढूंढती रहती है और जब स्वाद के चक्कर में पनीर पकोड़ा आलू बंडा समोसा कचोरी खाओगे तो ठफ़ैटठ तो बनेगा और जब फ़ैट बनेगा तो वो सेट होने के लिए जगह ढूंढेगा और वो कमर का मुरीद हमेशा से ही रहा है, उससे बेहतर जगह उसे कोई नहीं दिखाई देती सो वंहा आकर जम जाता है वैसे भी पेट और कमर का चोली दामन का साथ है, एक बार पेट बढ़ा तो उसकी हमजोली कमर को बढ़ने से दुनिया की कोई ताकत नहीं रोक सकती त कमर तो कमर है उस पर तो कितने फ़िल्मी गीत भी शायरों और गीतकारों ने लिख मारे हैं मसलन ठकमर पतली नजर बिजली क़यामत से मेरी जॉ कम नहीं हो तुमठ तो दूसरा हीरो गाता है ठपतली कमर है तिरछी नजर है खिले फूल सी तेरी जवानी कोई बताये कहाँ कसर हैठ इधर एक साहेब हीरोइन की कमर पर नजरे गड़ाए गाए जा रहे हैं ठकान में झुमका चाल में ठुमका कमर पे चोटी लटके हो गया दिल का पुर्जा पुर्जा लगे पचासी झटकेठ तो एक महोदय कह रहे है ठधीरे रे चलो मेरी बांकी हिरनिया कमर न लचके हाय सजनियाठ अभी एक नई खबर है कि हरियाणवी डांसर ठसपना चौहानठ का जो नया वीडियो रिलीज हुआ है उसका तो शीर्षक ही है ठपतली कमरठ और दो घंटे में लाखों लोगो ने उसे देख लिया है अब आप खुद सोचो कि कमर का कितना ठइंपोर्टेंसठ है त आजकल हर जवान लड़का ठसिक्स पैकठ बनाने में जुटा है यानि कमर एकदम पतली, सीना चौड़ा और मांसपेशियां मजबूत ताकि जब वो अपनी कमीज उतारे तो उसके शरीर को देखकर लोग बाग़ दंग रह जाएँ ।आजकल इसका फैशन भी जम कर चल रहा है हर युवा ठसलमान खानठ और ठसोनू सूदठ की तरह अपना शरीर बनाना चाहता है अब सोचो कमर जब जीवन में इतनी महत्वपूर्ण है तो उसकी देखभाल करना ही चाहिए लेकिन हाल ही में जो एक सर्वे आया है उसमें बताया गया है कि अपने देश की आधी आबादी की ठकमर,ठ कमरेठ में बदल गयी है यानि दोनों हाथ से उसकी कमर नापना चाहो तो भी नाप नहीं आता, इसमें भी महिलाओं ने बाजी मार ली है बावन फ़ीसदी महिलों की कमर मोटी है और अड़तालीस फ़ीसदी पुरषों की कमर मोटी हो चुकी है इसके कारण उन्हें डायबिटीज और हार्ट अटेक जैसे रोग होने लगे हैं,अपना मानना है कि अपने देश के लोगों को सबसे पहले तो अपनी जीभ को ठलपलपानेठ से बचाना चाहिए इधर जीभ लपलपाई और उधर कमर पर चर्बी चढ़ी इसलिए कमर को संभाल कर रखना इस देश के हर नागरिक की जिम्मेदारी है कमर पर एक नए जोड़े के बारे में क्या लिखा है किसी शायर ने जिसमें पति अपनी नवविविता पत्नी के लिए कह रहा है ठरेशमी पर्दों से घर तो सजा लिया मैंने, मगर चाबियों की जिद है कमर तुम्हारी ही चाहिएठ

पढ़ो लिखो और नौकरी करो

बीजेपी के राष्ट्री अध्यक्ष ने ये बयान दे कर कि हमारी पार्टी परिवारवाद के पूरी तरह खिलाफ है और अब उन नेता पुत्रों पुत्रिओं को टिकिट नहीं दी जायेगी जिनके पिता राजनीति में आकर मंत्री, विधायक, सांसद बन गए हैं इधर नड्डा जी ने ये कहा उधर हजारों नेता पुत्र, पुत्रियों, रिश्तेदारों की आँखों से आसुओं की धार बह निकली त कितने अरमान संजोये थे कि पापा या बाबूजी की राजनीति की विरासत को हम ही आगे बढ़ाएंगे अपने तमाम कार्यकत्ताओं के सर पर पैर रखकर टिकिट भी पा लेंगे विधायक भी बन जाएंगे और मौका लगा तो मंत्री की कुर्सी भी पा लेंगे, लेकिन पार्टी ने तय कर लिया कि जब हम परिवार वाद के खिलाफ केम्पेन चला रहे है तो हमें भी तो अपनी पार्टी में घुसे इस कीड़े को बाहर करना पडेगा, लेकिन अब उन मंत्रियों विधायकों सांसदों के बेटे बेटियों भाई भतीजों का क्या होगा जो इसी आशा में जी रहे थे कि बस अब वक्त आने वाला है जब बाप मंत्री है तो अपने को विधायक बनने से भला कौन रोक सकता है लेकिन ठदिल के अरमां आंसुओं में बह गए, हम पार्टी से वफ़ा करके भी तनहा रह गएठ समझ में नहीं आ रहा है कि पार्टी ये सब क्यों कर रही है अरे भाई नेता के घर यदि कोई पैदा हो गया तो उसमें उसका तो कोई दोष है नहीं, भगवान ने उनके घर भेजा तो वो आ गया और फिर जब बाप नेता हो मंत्री हो विधायक हो सांसद हो तो बेटे को किस बात की चिंता, सो न पढ़ना न लिखना, बस नेतागिरी करते हुए घूमते रहना, लेकिन अब एक बात समझ लो नेता लोगोंऔर उनके बेटे बेटियों अब एक ही काम बचा है कि पढ़ो लिखो, ठकॉम्पटेटिव एक्सामठ दो और जंहा कंही नौकरी मिले तत्काल से पेश्तर ज्वाइन कर लो इसके अलावा और कोई चारा भी नहीं है त बापों को ही ये सन्देश अपने बेटे बेटियों भाई भतीजों तक पंहुचा देना चाहिए, अपने को तो उन नेताओं की अभी से चिंता लग रही है जिनके बाप और बेटे दोनो मंत्री सांसद या विधायक हैं उनकी पत्ती कब कट जाए कहना मुश्किल है त

हर दसवां पति पिट रहा है

ये सर्वे वाले भी पता नहीं क्या क्या सर्वे करते रहते हैं ठनेशनल फेमिली हेल्थ सर्वेठ में पता चला है कि देश का हर ठदसवां पतिठ अपनी पत्नी से पिट रहा है अभी तो अपने को ये जानकारी थी की पति पत्नियों को पीटते है लेकिन इस सर्वे ने ये रहस्य खोल ही दिया कि बेचारा पति कितना निरीह प्राणी होता है, अब हर पति मन ही मन सोच रहा है कि उन दस पतियों की लिस्ट में अपना तो नाम शामिल नहीं है, लेकिन ये तो उसको ही पता है कि वो इस लिस्ट में शामिल है या नहीं, क्योकि बंद कमरे में होने वाली पिटाई के बारे में तो उसको ही जानकारी होगी हाँ एकाध मामले में पडोसी को भी पता लग जाता होगा कि भाई जी पिट रहे है जब उनकी आवाज पडोसी के कानों में जाती होगी कि ठअब बस करो आगे से ऐसा नहीं करूंगा माफ़ कर दोठ लेकिन उस के बदले में थप्पड की आवाज भी गूंजती होगी त सचमुच इस देश में पतियों की हालत सबसे खराब है आफिस में बॉस और घर में बीबी दोनों के बीच पिसता रहता है बेचारा, कभी हंसने का भी मन होता भी है तो एक आँख के सामने बॉस की तस्वीर आ जाती है तो दूसरी आँख में बेलन लिये हुए बीबी की, इसलिए किसी ने कहा है कि ठदिन भर में किसी एक विवाहित पुरुष को हंसा दोगे तो चार तीर्थ यात्राओं के बराबर का पुण्य मिलेगाठ

सुपर हिट ऑफ़ द वीक

श्रीमान जी ने नए शादी शुदा व्यक्ति को अपना ज्ञान और अनुभव बतलाते हुए कहा

ठयदि बीबी अपना पल्लू अपनी कमर में खोंस ले तो समझ लेना या तो वो घर का काम निबटायेगी या फिर आपकोठ

(लेखक/ईएमएस-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

चीन वैज्ञानिकों के तैयार किए वैंपायर चूहे, दूसरों का खून चूसकर जिंदा रहेंगे

बीजिंग (ईएमएस)। विज्ञान चाहे तब क्या नहीं कर सकता? हर रोज वैज्ञानिक क्षेत्र में कुछ न कछ नई खोज और शोध हो रहे हैं। इसमें कुछ हमारी जिंदगी को सुविधाजनक बनाते हैं, तब कुछ हैं, जो प्राकृतिक चक्र में बाधा डालने वाले हैं। चीन में भी कुछ वैज्ञानिकों ने उम्र के साथ शरीर में आने वाले बदलाव को रोकने का ये बेहद अजीबोगरीब प्रयोग किया है। चीनी वैज्ञानिकों एक ऐसी तकनीक बनाई है, जिसमें उम्र को आगे बढ़ने के बजाय पीछे ले जाया जा सकेगा। इस तकनीक से जीवन लंबा होगा, लेकिन ये प्रयोग बेहद खतरनाक है। कुछ वैंपायर यानि खून चूसने वाले चूहों पर ये प्रयोग किया गया है। इन्हें लंबा जीवन देने के लिए इसका खून युवा चूहों से निश्चित वक्त पर बदला जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक इस तकनीक को हेस्ट्रोक्रॉनिक पैराबायोसिस नाम दिया गया है। इसमें सर्जिसकल प्रॉसेस से चूहों के सर्कुलेटरी सिस्टम में बदलाव किया गया था। इस पर पिछले 10 साल से शोध हो जा रहा था कि आखिर कैसे नए खून के द्वारा जीव के जवान रखा जा सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक पुराना खून अंगों, टिश्यू और सेल्स को पुराना करते हैं। जवान खून इस प्रोसेस को कम कर देता है।

रिसर्चर्स का कहना है कि वयस्क लोगों में स्टेम सेल्स लगातार खुद को नया करती रहती हैं। इससे उम्र से होने वाला नुकसान रिपेयर होता रहता है। शोधकर्ता ने बताया कि अब तक हुई स्टडी में फिर से जवां होने के फिनॉमिना पर बात होती थी, लेकिन इतने मैकेनिज्म के बारे में नहीं बताया जाता था। इस रिसर्च के द्वारा मैकेनिज्म पता किया गया है कि कैसे ये पॉसिबल होगा। उम्मीद है इस तरह की रिसर्च से इस तकनीक को आगे बढ़ाने का मौका मिलेगा।

वाइल्ड कार्ड से ही विम्बलडन खेल सकती हैं सेरेना और वीनस

विम्बलडन (ईएमएस)। अमरीका की अनुभवी विलियम्स बहनों सेरेना और वीनस विलियम्स को इस बार वाइल्ड कार्ड के जरिये ही विम्बलडन में प्रवेश के लिए अनुरोध करना होगा। इसका कारण यह है कि सेरेना और वीनस का नाम एकल वर्ग की प्रविष्टियों की सूची में शामिल नहीं है। विम्बलडन मुकाबले 27 जून से शुरू हो रहे हैं। विलियम्स बहनों का यहां रिकार्ड बेहद प्रभावशाली रहा है।

सेरेना ने ओपन युग में रिकॉर्ड 23 एकल खिताब में से सात आल इंग्लैंड क्लब पर जीते हैं जबकि अंतिम आखिरी बार वह 2016 में चैम्पियन रही थी। वह 2018 और 2019 में उपविजेता रहने के बाद दाहिने पैर की चोट के कारण आगे नहीं खेल पायीं। वहीं वीनस ने 5 बार विम्बलडन खिताब जीता है और कुल 7 ग्रैंडस्लैम अपने नाम किए हैं। इसके अलावा इस बार अमेरिका ओपन 2021 उपविजेता कनाडा की लैला फर्नांडिज भी चोट के कारण विम्बलडन में नजर नहीं आयेंगी।

आज का इतिहास 7 जून

1492 पोलैंड नरेश कालीमीर चतुर्थ का निधन हुआ .
1971 सोवियत अंतरिक्षयान सोयूज सैल्यूट अंतरिक्ष स्टेशन से जुड़ने में सफल हुआ.
1975 राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार राष्ट्रीय फिल्म समारोह में परिवर्तित कर दिया गया.
1979 भारत के दूसरे उपग्रह भास्कर-एक का प्रक्षेपण सोवियत संघ से किया गया.
1988 बांगलादेश ने इस्लाम को राजधर्म घोषित किया.
1989 सूरी नाम का विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ,जिसमे 171 व्यक्ति मारे गये.
1996 बर्मा के सैनिक शासकों ने विपक्षी नेता आंग सान सून के लिए कड़े कानून बनाये.
1999 कर्नाटक के दावणगेरे जिले में एक यात्री बस के नदी में गिर जाने से 94 लोगों की मृत्यु.
2001 प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी के दाहिने घुटने का ऑपरेशन सफल.
2002 पाकिस्तान के विदेश मंत्री अब्दुल सत्तार ने त्यागपत्र दिया.
2005 रामनिवास मिर्धा संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष बने.

दैनिक पंचांग

07 जून 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.50 बजे से
चंद्र	सिंह में	कर्क	08.04 बजे से
मंगल	मीन में	सिंह	10.20 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	12.32 बजे से
गुरु	मीन में	तुला	14.43 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	16.57 ब.से
शनि	कुंभ में	धनु	19.13 बजे से
राहु	मेष में	मकर	21.19 बजे से
केतु	तुला में	कुंभ	23.05 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		मीन	00.38 बजे से
		मेष	02.08 बजे से
		वृष	03.48 बजे से

मंगलवार 2022 वर्ष का 158 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2079 **शक संवत्** 1944
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि सप्तमी 07.55 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाफाल्गुनी 03.50 बजे रात्र को समाप्त।
योग वज्र 04.26 बजे रात्र को समाप्त।
करण वणिज 07.55 बजे तदनन्तर विष्टि 20.19 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 07.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 44'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871272
जूलियन दिन 2459737.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना जिल्काद
तारीख 07

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7309

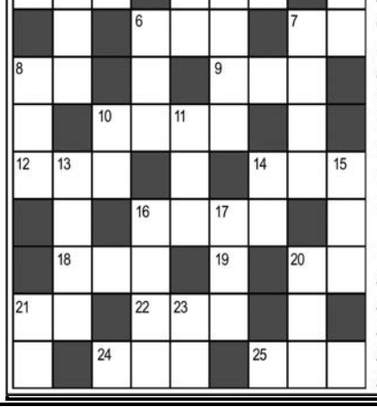

बाएँ से दाएँ

1.तन,शरीर-3
3.चकोर,चंद्रप्रेमी पक्षी-3
6.झगड़ा,द्वेष-3
7.मोटा आटा-2
8.खिंचाव,स्वर विस्तार-2
9.असली,शुद्ध-3
10.यंत्रशाला-4
12.कार्यविधि-3
14.चिंगारी-3
16.एक कंद जिसे सुखा कर सौंठ बनाई जाती है-4
18. दूल्हे की पगड़ी-3
20.सम्मान-2
21.प्राण,जीवन तत्व-2
22.कुशल,होनहार-3
24.राशिचक्र की एक राशि-3
25.प्रेमी,साजन- 3

ऊपर से नीचे

2.अवलोकन,दरस-3
3.चलने का ढंग-2
4.तलघर-4
5.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6.जलजला-3
7.रसीला,रस से भरपूर-4
8.बल,जोर,दम-3
10.चाचा,अंकल-2
11.शौहर,पति-3
13.'दीवाने हुए पागल' की नायिका-2,2
14.वहम,संदेह-3
15.राजा,सम्राट-3
16.उपद्रवी,आतंकी-4
17.गिरवी रखी वस्तु-3
20.बैठने की जगह-3
21.शराब का प्याला-2
23.रांझे की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -7308 का हल

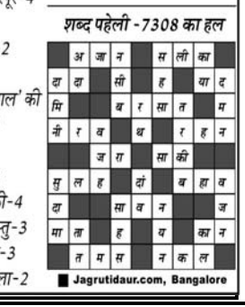

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

नॉर्वे शतरंज : कार्लसन को हराकर शीर्ष पर पहुंचे आनंद

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के शीर्ष शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में शीर्ष पर पहुंच गये हैं। आनंद ने स्थानीय खिलाड़ी और विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन को हराकर नंबर एक स्थान हासिल किया। आनंद ने क्लासिकल सेक्शन के 5वें दौर में आर्मेगडन (सडन डेथ गेम) में जीत दर्ज कर मुकाबला अपने नाम किया। इससे पहले दोनों खिलाड़ियों के बीच खेला गया नियमित मैच 40 मूव्स के साथ ड्रॉ रहा। सडन डेथ गेम के दौरान आनंद ने आक्रामक अंदाज में 50 मूव्स में ही कार्लसन को हरा दिया। अब आनंद के जहां 10 अंक हो गये हैं। वहीं कार्लसन के पास कुल 9.5 अंक ही हैं और वह इस टूर्नामेंट में अभी दूसरे स्थान पर बना हुआ है। इस टूर्नामेंट में अभी 4 दौर का खेल होना है।

अब तक आनंद ने इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए वैंग हाओ , मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव और वेसलिन टोपालव जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को भी हराया था। इसके अलावा ब्लिट्ज वर्ग में मैग्नस कार्लसन को हराया था।

रोनाल्डो के दो गोल से पुर्तगाल ने नेशंस लीग में स्विट्जरलैंड को हराया

रोनाल्डो के गोलों की संख्या रिकार्ड 117 पर पहुंची

लिस्बन (

अंततः खून के रिश्तों ने अनिल और मुकेश अंबानी को मिलाया, दोनों ने की एक दूसरे की मदद

नई दिल्ली (ईएमएस)। कहते हैं कि खून के रिश्ते आसानी से नहीं खत्म होते ऐसा ही कुछ देश रईस घराने अंबानी के बीच देखने को मिला। दरअसल, अनिल अंबानी और मुकेश अंबानी में भले ही एक वक्त पर इतना मनमुटाव हो गया था कि बंटवारा करना पड़ा, लेकिन अब एक अलग ही तस्वीर दिख रही है। 2002 में धीरूभाई अंबानी की मौत के कुछ सालों में ही दोनों का झगड़ा सामने आ गया। उस दौर में भले ही दोनों भाई एक दूसरे को ना देखना पसंद करते हों, लेकिन अब दोनों अक्सर एक दूसरे की मदद करते दिखते हैं। हाल ही में मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में एक कार्यक्रम के दौरान दोनों भाई साथ दिखे। दोनों की तस्वीर देखकर ही आप समझ सकते हैं कि उनके बीच का प्यार आज तक कम नहीं हुआ है। दोनों के मुस्कुराते चेहरे देख आप भी 'वाह' ही कहेंगे। अक्सर ऐसी तस्वीरें या वाकये सामने आते हैं, जब दोनों एक दूसरे की मदद करते दिखते हैं।

जब मुकेश अंबानी की बेटी ईशा अंबानी की शादी हुई थी, तो अनिल अंबानी खुद ही मेहमानों का स्वागत करते दिखे। बारातियों के स्वागत में भी वह अपने भतीजों के साथ नजर आए। ईशा अंबानी की शादी में साफ दिख रहा था कि वह मुकेश अंबानी के छोटे भाई होने और ईशा अंबानी के चाचा होने का फर्ज बखूबी निभा रहे हैं। शादी का शायद ही ऐसा कोई फंक्शन होगा, जिसमें अनिल अंबानी की मौजूदगी नहीं रही। अनिल अंबानी को एरिक्सन के करीब 500 करोड़ रुपयों को भुगतान करना था और अगर वह समय रहते यह रकम नहीं चुका पाते तो उन्हें जेल तक जाना पड़ जाता। ऐसी मुश्किल की घड़ी में बड़े भाई मुकेश अंबानी ने मदद का हाथ आगे बढ़ाया था। उन्होंने वित्तीय सहायता तो नहीं की थी, लेकिन अपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज को कॉरपोरेट लीज पर रखने को दिया, जिससे अनिल अंबानी एरिक्शन की बकाया राशि का भुगतान कर सके। खुद अनिल अंबानी ने मदद करने के लिए भाई मुकेश अंबानी और भाभी नीता अंबानी को भावुक होकर धन्यवाद कहा था।

मार्च 2018 में अनिल अंबानी की मदद करते हुए मुकेश अंबानी ने रिलायंस कम्युनिकेशन का वायरलेस बिजनेस खरीद लिया, जिसमें 43 हजार टावर शामिल थे। टावर के साथ-साथ फाइबर नेटवर्क भी इसमें शामिल था। इस डील से मुकेश अंबानी को नई-नई लॉन्च हुई कंपनी रिलायंस जियो का नेटवर्क मजबूत करने का मौका मिला। वहीं इससे सबसे बड़ी मदद मिली अनिल अंबानी को, जो बुरी तरह से कर्ज के जाल में फंस चुके हैं। हालांकि, बाद में मुकेश अंबानी ने अपना टावर बिजनेस कनाडा की ब्रुकफील्ड इंफ्रास्ट्रक्चर पार्टनर्स एलपी को 25,215 करोड़ रुपये में बेच दिया।

अमेरिका ने यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइलों की आपूर्ति शुरू की तो नए ठिकानों को निशाना बनाएगा रूस : पुतिन

लंदन (ईएमएस)। अमेरिका की ओर से यूक्रेन को लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियारों की आपूर्ति से रूस आग-बबूला हो गया है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिका को सीधी चेतावनी देते हुए कहा यदि संयुक्त राज्य अमेरिका ने यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइलों की आपूर्ति शुरू की तो रूस नए लक्ष्यों को निशाना बनाएगा। खास तौर पर उन ठिकानों को जो अब तक इस युद्ध में रूसी हमलों से अछूते हैं। हालांकि, पुतिन ने उन लक्ष्यों के नाम का उल्लेख नहीं किया, वह निशाना बनाने वाला है।

एक साक्षात्कार में पुतिन ने कहा यूक्रेन को पश्चिमी हथियारों की आपूर्ति सैन्य उपकरणों के नुकसान की भरपाई के लिए है। पुतिन ने यह भी दावा किया कि रूसी विमानों ने दर्जनों यूक्रेनी हथियारों को नष्ट किया है। मालूम हो कि यूक्रेन रूसी सेना को पीछे खदेड़ने और रूसी हथियारों के भंडार पर हमला करने के लिए एम270 और एम142 हिमार्स जैसे मल्टीपल राकेट लान्चर सिस्टम (एमएलआरएस) की मांग कर रहा है।

इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने आरोप लगाया है कि रूसी सेना की तोपों की गोलाबारी में 17 वीं सदी का यूक्रेन का आर्थोडाक्स मोनेस्ट्री नष्ट हो गया है और उसके साथ बना गिरजाघर भी आग लगने से बर्बाद हो गया है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने धर्मस्थल पर हमले से इन्कार किया है। रूस ने आरोप लगाया कि यूक्रेन की सेना पीछे हटते हुए चर्च और अन्य धर्मस्थलों को बर्बाद करती जा रही है जिससे उसे रूसी सेना को बदनाम करने का मौका मिले। इस बीच फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन पर हमला करके ऐतिहासिक गलती की है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि पुतिन की इस गलती के लिए रूस को अपमानित नहीं किया जाना चाहिए। मौजूदा वक्त में यूक्रेन युद्ध को खत्म करने का कूटनीतिक कोशिशें की जानी चाहिए। फ्रांस इसमें अहम भूमिका अदा कर सकता है। फ्रांस युद्धविराम के लिए मध्यस्थ की भूमिका निभा सकता है। वहीं इस बयान से नाराज यूक्रेन ने कहा है कि रूस के साथ शांति वार्ता का सवाल ही पैदा नहीं होता।

भारत पर मुगलों का आक्रमण इतिहास का सबसे रक्तरंजित हिस्सा, पर इस पर कभी चर्चा नहीं होती : तेजस्वी सूर्या

कैनबरा (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर पहुंचे भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने भारत में मुगलों के आक्रमण को इतिहास का सबसे रक्तरंजित पाठ बताया। तेजस्वी सूर्या ने इसकी तुलना हिटलर के यहूदियों पर किए अत्याचार से की। तेजस्वी ने इस बयान के लिए अमेरिकी इतिहासकार विल डयूरेंट की किताब का हवाला दिया। ऑस्ट्रेलिया इंडिया यूथ डायलॉग (एआईवाईडी) के कार्यक्रम के दौरान पैरामाटा में सोमवार को तेजस्वी सूर्या ने इशारों-इशारों में कहा कि इस्लाम का इतिहास रक्तपात और हिंसा से भरा हुआ है।

तेजस्वी सूर्या ने कहा हम इस विशेष समुदाय के इतिहास को इसके अस्तित्व के समय से जानते हैं और इसका इतिहास रक्तपात और हिंसा से भरा हुआ है। इसके अलावा तेजस्वी सूर्या ने हलाल भोजन पर प्रतिबंध लगाने की पहल का समर्थन किया और कहा कि हिंदू समुदाय को उन पार्टियों को वोट देना चाहिए जो विशेष रूप से हिंदुओं की रक्षा करती हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में यहूदियों पर अत्याचार की फिल्में और म्यूजियम हैं, लेकिन हिंदुओं पर टीपू सुल्तान, मोहम्मद गौरी, अलाउद्दीन खिलजी के अत्याचार की बात भी नहीं होती।

तेजस्वी सूर्या ने ये टिप्पणी एक निजी कार्यक्रम में की। यह कार्यक्रम पैरामाटा के स्वाइनबर्न प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ईसीए कॉलेज में होना था, लेकिन उनके कार्यक्रम से पहले ही स्वाइनबर्न इस्लामिक सोसायटी ने इस कार्यक्रम का विरोध किया। इस्लामिक सोसायटी ने विश्वविद्यालय को इस मामले में हस्तक्षेप करने के लिए पत्र लिखा, इसके बाद विश्वविद्यालय ने 31 मई को होने वाले इस कार्यक्रम को रद्द कर दिया।

ऑस्ट्रेलिया इंडिया यूथ डायलॉग की ओर से कहा गया कि वह किसी भी प्रतिनिधि के विचारों का समर्थन नहीं करता है। तेजस्वी सूर्या के कार्यक्रम की खबर मिलते ही ऑस्ट्रेलिया में मुस्लिम छात्रों, संगठनों और धार्मिक संगठनों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद तेजस्वी सूर्या का यह बयान सामने आया है। एक मुस्लिम संगठन के छात्र जुनैद अहमद ने कहा तेजस्वी सूर्या को यूनिवर्सिटी में बोलने की इजाजत देना हेट स्पीच और इस्लामोफोबिया को बढ़ाने वाला है। सूर्या का वीजा रद्द करने के लिए एक पिटीशन पर 5,600 से ज्यादा लोगों ने हस्ताक्षर किए हैं।

महामारी के कारण शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन आए : आनंद कुमार

दुबई (ईएमएस)। भारत में कोचिंग शिक्षण के शीर्ष मानक स्थापित करने वाले सुपर 30 के संस्थापक आनंद कुमार ने कहा कि कोविड-19 महामारी की वजह से शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन आए हैं और दुनिया भर के लाखों छात्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए ऑनलाइन शिक्षा को अब भी एक लंबा रास्ता तय करना है। बहरीन के इंडियन स्कूल में, महामारी के बाद की दुनिया में शिक्षा के भविष्य विषय पर आयोजित सलाम बहरीन कार्यक्रम में कुमार ने कहा कि दुनिया भर में खासकर पढ़ाई करने वाले युवाओं पर कोविड-19 महामारी का प्रभाव विनाशकारी पड़ा है। उन्होंने कहा, हम नहीं जानते कि यह महामारी कब खत्म होगी और इस तरह की एक और महामारी कब आ जाएगी। इसलिए, हमें तैयार रहना होगा, क्योंकि छात्रों को इतनी लंबी अवधि तक शिक्षा से दूर नहीं रखा जा सकता। कोविड -19 का प्रभाव अब पढ़ाई में भारी अंतराल के माध्यम से प्रकट हो रहा है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच ही विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली से भी बाजार नीचे आया है। इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक समीक्षा से पहले निवेशकों ने सतर्क रुख अपना है। उससे भी बाजार पर दबाव पड़ा है। आज सुबह खुलने के साथ ही बाजार में गिरावट आने लगी जो दिन भर जारी रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 93.91 अंक करीब 0.17 फीसदी नीचे आकर 55,675.32 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 14.75 अंक तकरीबन 0.09 फीसदी की गिरावट के साथ ही 16,569.55 अंक पर बंद हुआ।

बाजार जानकारों के अनुसार सुबह गिरावट पर खुलने के बाद दोपहर के कारोबार के दौरान बाजार में कुछ बढ़त आयी। बाजार में आरबीआई की मौद्रिक नीति समीक्षा से पहले संशय की स्थिति बनी हुई थी। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिन की बैठक आज से यहां शुरू हुई। यह समिति बुधवार को मौद्रिक समीक्षा जारी करेगी। इसमें माना जा रहा है कि आरबीआई मुद्रास्फीति पर अंकुश के लिए कुछ कड़े नीतिगत कदम उठा सकता है। सेंसेक्स के शेयरों में एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व, डा. रेड्डीज, नेस्ले, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एक्सिस बैंक के शेयर गिरे है। वहीं इसके विपरीत टाटा स्टील, इंडसइंड बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयरों को लाभ हुआ।

इससे पहले शुक्रवार को भी बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था।

वहीं अन्य एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहे। दूसरी ओर यूरोप के प्रमुख बाजारों में तेजी रही।

खाड़ी सहयोग परीषद के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार बढ़कर 154.73 अरब डॉलर

मुंबई (ईएमएस)। भारत का खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के सभी छह सदस्य देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2021-22 में तेजी से बढ़ा है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, जीसीसी को भारत का निर्यात 2021-22 में 58.26 प्रतिशत बढ़कर लगभग 44 अरब डॉलर हो गया है, जो 2020-21 में 27.8 अरब डॉलर था। इसके साथ इन छह देशों का भारत के कुल निर्यात में हिस्सा 2020-21 के 9.51 प्रतिशत से बढ़कर 2021-22 में 10.4 प्रतिशत हो गया है। आंकड़ों के मुताबिक़, इसी तरह जीसीसी से आयात भी 2020-21 में 59.6 अरब डॉलर के मुकाबले बीते वित्त वर्ष में 85.8 प्रतिशत बढ़कर 110.73 अरब डॉलर हो गया। वहीं, जीसीसी सदस्य देशों का भारत के कुल आयात में हिस्सा 2021-22 में बढ़कर 18 प्रतिशत हो गया, जो 2020-21 में 15.5 प्रतिशत था। मंत्रालय ने बताया कि भारत और जीसीसी के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2021-22 में उछलकर 154.73 अरब डॉलर का हो गया। 2020-21 में यह 87.4 अरब डॉलर का था। ये आंकड़े इस दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं कि भारत जीसीसी देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत शुरू करने की तैयारी में है। जीसीसी की स्थापना मई, 1981 में हुई थी। इसमें सऊदी अरब, बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे देश शामिल हैं।

सोने , चांदी में तेजी

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू बाजार में सोमवार को सोने और चांदी में तेजी आई है। पहले कारोबारी दिन सोना 43 रुपये की तेजी के साथ 50,908 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 50,865 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं चांदी की कीमत भी 850 रुपये बढ़कर 62,211 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई जबकि पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 61,361 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना तेजी के साथ ही 1,852 डॉलर प्रति औंस हो गया जबकि चांदी का भाव 22.28 डॉलर प्रति औंस पर बना रहा।

नाइजीरिया के गिरजाघर पर हमला, 50 लोगों के मारे जाने की आशंका

अबूजा (ईएमएस)। दक्षिण पश्चिम नाइजीरिया के एक कैथोलिक गिरजाघर में लोगों पर हथियारबंद हमलावरों ने हमला कर विस्फोट भी किया, जिसमें कम से कम 50 लोगों के मारे जाने की आशंका है। ओगुनमोलासुयी ओलुवोले ने कहा कि हमलावरों ने ऑन्दो राज्य के सेंट फ्रांसिस कैथोलिक गिरजाघर को निशाना बनाया। यह हमला तब किया गया जब श्रद्धालु ईसाइयों के त्योहार 'पेंटेकोस्ट संडे' के मौके पर वहां जमा हुए थे। ओलुवोले ने कहा कि मृतकों में कई बच्चे शामिल हैं। वह घटनास्थल और अस्पताल में भी गए, जहां घायलों का इलाज चल रहा है। अधिकारियों ने मौत के बारे में तत्काल कोई आंकड़ा जारी नहीं किया है। नाइजीरियाई संसद के निचले सदन के सदस्य टिमिलीन ने कहा कि कम से कम 50 लोग मारे गए हैं, हालांकि अन्य लोगों बताया है कि मृतकों की संख्या इससे ज्यादा है। नाइजीरिया का एक बड़ा हिस्सा इस्लामी चरमपंथ का सामना कर रहा है जबकि ऑन्दो को नाइजीरिया का सबसे शांत राज्य माना जाता है।

एमटीवी अवार्ड: अभिनेत्री जेनिफर लोपेज को 'जनरेशन अवार्ड', 'स्पाइडर मैन' सर्वोत्तम मूवी

लॉस एंजिलिस (ईएमएस)। मशहूर 'एमटीवी मूवी एंड टीवी अवार्ड्स' साल-2022 में हॉलीवुड अभिनेत्री जेनिफर लोपेज को 'जनरेशन अवार्ड' से सम्मानित किया गया। अवार्ड प्राप्त करने के दौरान उन्होंने एक भावुक भाषण में बताया कि कैसे उन पर विश्वास करने वालों और संदेह करने वालों ने उनकी सफलता में योगदान दिया। पुरस्कार समरोह का आयोजन रविवार को किया गया। इसकी मेजबानी अभिनेत्री एवं गायिका वेनेसा हजेंस ने की। लोपेज ने पुरस्कार स्वीकार करते हुए नम आंखों के साथ कहा, 'मैं उन सभी लोगों का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं, जिन्होंने मुझे खुशी दी और उनका भी, जिन्होंने मेरा दिल तोड़ा। उनका भी, जो मेरे साथ सच्चे भाव से जुड़े थे और उनका भी, जिन्होंने मुझसे झूठ बोला।'

लोपेज के एल्बम 'मैरी मी' के गीत 'ऑन माय वे' को सर्वश्रेष्ठ गीत के पुरस्कार से नवाजा गया। उन्होंने इस मौके पर अपने परिवार, बच्चों और प्रशंसकों के अलावा अपने प्रबंधक का भी शुक्रिया अदा किया। 'एमटीवी मूवी एंड टीवी अवार्ड्स' में फिल्म 'स्पाइडर मैन-नो वे होम' को सबसे अधिक सात श्रेणियों में नामित किया गया था। यह फिल्म सर्वश्रेष्ठ फिल्म का अवार्ड जीतने में सफल रही। यही नहीं, फिल्म के मुख्य अभिनेता टॉम हॉलैंड को सर्वश्रेष्ठ अभिनय श्रेणी के पुरस्कार से नवाजा गया। 'स्पाइडर मैन-नो वे होम' ने बॉक्स ऑफिस पर 1.9 अरब डॉलर की कमाई की थी। फिल्म को समीक्षकों और प्रशंसकों, दोनों ने सराहा था। अभिनेत्री जैंडेया को टीवी शो 'यूफोरिया' के लिए किसी शो में सर्वश्रेष्ठ अभिनय का पुरस्कार मिला। वहीं, डैनियल रेडक्लिफ ने 'द लॉस्ट सिटी' के लिए सर्वश्रेष्ठ खलनायक का पुरस्कार हासिल किया। अभिनेता जैक ब्लैक को 'करियर अचीवमेंट' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

रेलवे का ऐलान, 'यूजर आईडी' को आधार से लिंक कराने पर महीने में मिलेगी 24 टिकट बुक करने की इजाजत

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रेल ने सोमवार को बड़ा ऐलान किया है। जानकारी के मुताबिक अपनी 'यूजर आईडी' को 'आधार' से जोड़ने पर लोग भारतीय रेलवे खान-पान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की वेबसाइट और (मोबाइल) ऐप के जरिये एक महीने में अब 24 ट्रेन टिकट बुक कर सकते हैं, अन्यथा सिर्फ 12 टिकट ही बुक किये जा सकते हैं। आईआरसीटीसी अब तक, खाता (यूजर आईडी) आधार से नहीं जुड़े होने पर लोगों को महीने में छह टिकट बुक करने की अनुमति देता था और इससे जुड़े होने पर 12 टिकट बुक किये जा सकते थे। रेल मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'यात्रियों को सुविधा प्रदान करने के लिए भारतीय रेल ने आधार से नहीं जुड़े हुए यूजर (उपयोगकर्ता) आईडी (पहचान) से महीने में बुक की जाने वाली अधिकतम टिकट की संख्या छह से बढ़ा कर 12 कर दी है।'

इसमें कहा गया है, 'जबकि आधार से जुड़े यूजर आईडी द्वारा एक महीने में बुक की जाने वाली टिकट की अधिकतम सीमा बढ़ा कर 24 कर दी गई है। साथ ही, बुक की जाने वाली टिकट में जिन यात्रियों के नाम होंगे, उनमें से एक का सत्यापन आधार के जरिये होना चाहिए।' अधिकारियों ने बताया कि यह बार-बार यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए और उन लोगों के लिए भी मददगार होगा जो परिवार के सदस्यों के लिए एक ही खाते (यूजर आईडी) से ट्रेन की टिकट बुक करते हैं।

यूएई आईएलटी20 का आगाज अगले साल 6 जनवरी से 12 फरवरी तक

-6 में से 5 टीमों का संबंध भारतीय कंपनियों से

दुबई (ईएमएस)। आईपीएल 2022 के बाद एक बार फिर क्रिकेट स्पर्धा का जलवा अगले साल यूएई में देखने को मिलेगा। अमीरात क्रिकेट बोर्ड छह जनवरी से 12 फरवरी 2023 तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट लीग (आईएलटी20) के शुरुआती सत्र की मेजबानी करेगा जिसमें शामिल छह टीमों में से पांच का संबंध भारतीय कंपनियों से है। इंडियन प्रीमियर लीग की तीन टीमों के मालिकाना हक वाली कंपनियों ने इस लीग में टीमें खरीदी हैं। छह फ्रैंचाइजी में से पांच भारतीय कंपनियों से जुड़ी हैं, जिनमें मुंबई इंडियंस का मालिकाना हक रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज, शाहरुख खान का नाइट राइडर्स समूह, दिल्ली कैपिटल्स के सह-मालिक जीएमआर, अदानी स्पोर्ट्स लाइन और कैपरी ग्लोबल के अलावा लांसर कैपिटल्स की टीमें शामिल हैं। लांसर कैपिटल्स मैनचेस्टर यूनाइटेड के मालिक ग्लेजर परिवार से संबंधित कंपनी है। अमीरात क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष शेख नाहयान मबारेक अल नाहयान ने कहा, 'अमीरात क्रिकेट बोर्ड को रिलायंस इंडस्ट्रीज, कोलकाता नाइट राइडर्स, कैपरी ग्लोबल, जीएमआर, लांसर कैपिटल, अदानी स्पोर्ट्स लाइन, प्रसारक जी समूह और अन्य सभी हितधारक के यूएई की नयी टी20 लीग से जुड़ने की खुशी है। इस तरह की अनुभवी कंपनियों का यूएई टी20 लीग से जुड़ना शानदार है।' इस लीग से स्थानीय खिलाड़ियों को भी अपना कौशल दिखाने का मौका मिलेगा।

देश का पहला बैंकिंग मेटावर्स 'कियावर्स' लॉन्च, घर बैठे जुड़ जाएगा ब्रांच से

नई दिल्ली (ईएमएस)। मुंबई की प्रतिष्ठित मशहूर फिनटेक कंपनी कियाडॉट एआई ने भारत का पहला बैकिंग मेटावर्स लॉन्च किया है। इसे कंपनी ने कियावर्स नाम दिया है। इसका यूज बैंकिंग और नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियां (एनबीएफसीएस) वर्चुअल इंटरैक्शन करने के लिए कर सकती हैं। कंपनी ने कहा है कि कियावर्स को फेज में रोलआउट किया जाएगा। बैंकिंग मेटावर्स कई तरह की सर्विसेज देगा। इसमें वर्चुअल रिलेशनशिप मैनेजर, पीर अवतार और वर्चुअल एडवाइजर (रोबो एडवाइजर) शामिल हैं।

अगले कुछ फेज में कियाडॉटएआई का प्लान एनएफटी को टोकन की तरह और सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसीएस) को ट्रांजैक्शन के लिए सपोर्ट करेगा। कंपनी ने बताया कि कियावर्स ओपन एपीआईआई कनेक्टर इंटरफेस एग्रीगेटर और गेटवे को इंटरफेस करेगा। इससे कियावर्स में बैंकिंग सुपर ऐप और मार्केटप्लेस को क्रिएट किया जा सकता है। आपको बता दें कि एपीआई कनेक्टर पर ही टाटा डिजिटल का फ्लैगशिप सुपर ऐप टाटा नियो काम करता है। कियाडॉटएआई ने ये भी कहा है कि आने वाले समय में कियावर्स लगभग रियल वर्ल्ड इंटरैक्शन एक्सपीरियंस देगा। इसके लिए हैप्टिक-एनेबल्ड हेडसेट्स और इंटरनेट ऑफ सेंस का भी यूज किया जाएगा।

बैंकस और एनबीएफसीएस कियावर्स के जरिए अपना खुद का इन-ब्रांच एक्सपीरियंस वर्जन बना सकेंगे। कस्टमर मेटावर्स में पर्सनलाइज्ड अवतार के जरिए मल्टीपल इंटरफेस पर बैंकिंग सर्विस को एक्सेस कर सकेंगे। इसमें डिजिटल बैंकिंग यूनिट्स, मोबाइल, लैपटॉप, वीआर हेडसेट्स और मिक्सड रियलिटी एनवायरमेंट्स शामिल हैं। कियावर्क प्लेटफॉर्म पर यूजर अवतार सेटअप करने के बाद वर्चुअल रिलेशनशिप मैनेजर के साथ इंटरैक्ट कर सकते हैं, बैंकिंग सर्विस को एक्सेस कर सकते हैं। इसके अलावा वो कई बैंकिंग सर्विस जैसे पोर्टफोलियो एनालिसिस, वेल्थ मैनेजमेंट और दूसरी सर्विस को भी एक्सेस कर सकते हैं।

भारत ने निर्यात पर लगाई पाबंदी तो दुनिया में महंगा हुआ गेहूं-चावल

नई दिल्ली (ईएमएस)। रूस-यूक्रेन के बीच जंग को तीन महीने से अधिक का अंतराल हो गया है। वहीं मौसमी फैक्टर्स ने दुनिया के सामने में फूड क्राइसिस पैदा कर दिया है। सभी देश पहले अपनी जरूरतें पूरा करने पर ध्यान दे रहे हैं। भारत ने भी इसी कारण गेहूं समेत कुछ जरूरी चीजों के निर्यात पर पाबंदियां लगा दी हैं। हालांकि भारत के इस फैसले का ग्लोबल मार्केट में प्रतिकूल असर पड़ा है। निर्यात पर रोक लगाने के बाद गेहूं की वैश्विक कीमतें तेजी से बढ़ी हैं और रिकॉर्ड हाई लेवल के पास पहुंच गई हैं।

संयुक्त राष्ट्र की फूड एजेंसी 'फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन (एफएओ)' के अनुसार, यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद दोनों देशों में गेहूं का उत्पादन कम रहने की आशंका है। इस बीच भारत ने गेहूं के निर्यात पर रोक लगा दी है। इनके कारण मई में लगातार चौथे महीने गेहूं की कीमतें बढ़ी हैं। मई में गेहूं की वैश्विक कीमतें 5.6 फीसदी बढ़ी हैं और अभी पिछले साल मई की तुलना में यह 56.2 फीसदी ज्यादा है। मार्च 2008 के रिकॉर्ड लेवल से यह महज 11 फीसदी ही नीचे है। फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन ने कहा, 'लड़ाई के चलते यूक्रेन में गेहूं का उत्पादन कम रहने की आशंका है। इसके साथ ही कई अव्वल निर्यातक देशों में खराब मौसम के चलते उत्पादन प्रभावित होने की आशंका भी है। इन सब के बीच भारत ने निर्यात पर रोक लगाने का ऐलान किया। इन फैक्टर्स से गेहूं की कीमतें लगातार बढ़ी हैं।' हालांकि एक अच्छी बात है कि मोटे अनाजों की वैश्विक कीमतें मई में कुछ कम हुई हैं। हालांकि मई में 2.1 फीसदी की नरमी के बाद भी इनकी कीमतें साल भर पहले से 18.1 फीसदी ज्यादा हैं।

एफएओ ने कहा कि मई में ओवरऑल प्राइस इंडेक्स एक महीने पहले की तुलना में 0.6 फीसदी कम होकर 157.4 अंक पर आ गया है। हालांकि यह साल भर पहले यानी मई 2021 की तुलना में 22.8 फीसदी ज्यादा ही है। दूसरी ओर अनाजों का प्राइस इंडेक्स मई महीने में अप्रैल 2022 से 2.2 फीसदी और मई 2021 से 29.7 फीसदी बढ़कर 173.4 अंक पर रहा है। इससे पता चलता है कि खाने-पीने की चीजों की औसत कीमतें भले ही कम हुई हैं, लेकिन अनाजों के मामले में लोगों को राहत नहीं मिली है।

संगठन ने बताया कि मई 2022 में चावल की कीमतें भी लगातार पांचवें महीने बढ़ी हैं। उसने बताया कि लगभग हर मेजर मार्केट सेगमेंट में कोटेशन ऊपर चढ़ा है, लेकिन राहत की बात है कि सबसे ज्यादा ट्रेड होने वाली वेरायटी इंडिका की कीमतें खासकर भारत में पर्याप्त सप्लाई के कारण सबसे कम 2.6 फीसदी बढ़ी हैं। दूसरी ओर मक्के और चीनी के भाव में नरमी आई है। अमेरिका में फसल की हालत सुधरने, अर्जेंटीना में मौसमी आपूर्ति आने और ब्राजील में कटाई का सीजन शुरू होने से मक्के की कीमतें मई में 3 फीसदी कम हुई हैं, लेकिन साल भर पहले की तुलना में ये अभी भी 12.9 फीसदी ऊपर हैं।

दुनिया भर में पर्याप्त उपलब्धता बनी रहने के संकेत और भारत में बंपर उपज की उम्मीद ने चीनी की कीमतों को नरम किया है। इनके अलावा इथेनॉल की कम कीमतें और डॉलर के मुकाबले ब्राजील की करेंसी के कमजोर होने से भी मदद मिली है। इन फैक्टर्स ने मई 2022 में चीनी की कीमतों को एक महीने पहले की तुलना में 1.1 फीसदी कम किया है। अब इसका प्राइस इंडेक्स अंक पर आ गया है। इससे पहले लगातार दो महीने चीनी की वैश्विक कीमतें तेजी से बढ़ी थीं।

ब्रिटेन का ऐलान, यूक्रेन को देगा एम 270 मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर, 80 किमी दूरी तक साध सकता है लक्ष्य

लंदन (ईएमएस)। युद्धग्रस्त देश यूक्रेन की मदद के लिए ब्रिटेन ने हाथ बढ़ाया है और वह उसे अत्याधुनिक एम270 रॉकेट लॉन्चर देने का ऐलान किया है। इस रॉकेट लॉन्चर की प्रभावी फायरिंग रेंज 80 किलोमीटर बताई जा रही है। ब्रिटेन ने रूस के साथ युद्ध की शुरुआत से ही यूक्रेन की मदद की है। इसी साल मार्च में ब्रिटेन ने यूक्रेन को एंटी एयरक्राफ्ट मिसाइलों का जखीरा भेजा था। ब्रिटेन के रक्षा मंत्री बेन वालेस ने कहा कि यूक्रेन के लिए ब्रिटेन का समर्थन जारी रहेगा। कुछ दिन पहले अमेरिका ने भी यूक्रेन को हार्पून एंटी शिप मिसाइल और एम142 हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम देने का ऐलान किया था। ब्रिटेन के रक्षा मंत्री बेन वालेस ने कहा कि ये अत्यधिक सक्षम मल्टीपल-लॉन्च रॉकेट सिस्टम हमारे यूक्रेनी दोस्तों को लंबी दूरी की आर्टिलरी के खिलाफ खुद को बेहतर ढंग से बचाने में सक्षम बनाएंगे। इन आर्टिलरी का इस्तेमाल रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की सेना ने अंधाधुंध तरीके से यूक्रेनी शहरों को बर्बाद करने के लिए किया है। ब्रिटेन ने कहा कि यूक्रेनी सैनिकों को नए लॉन्चरों का उपयोग करने के तरीके के बारे में प्रशिक्षित किया जाएगा। वर्तमान में ब्रिटिश सेना यूक्रेनी सैनिकों को बख्तरबंद वाहनों का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित कर रही है।

कुछ दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा था कि वाशिंगटन यूक्रेन को एम142 हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम की आपूर्ति करेगा। दरअसल, यूक्रेन ने अमेरिका को आश्वासन दिया है कि इन हथियारों का इस्तेमाल रूस के अंदर हमले करने के लिए नहीं किया जाएगा। वहीं, व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि यूक्रेन को अमेरिकी हथियारों की खेप कोई नहीं बात नहीं है। हालांकि, उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर अमेरिका ने हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम के लिए लंबी दूरी के हथियारों की आपूर्ति की तो इसकी प्रतिक्रिया दी जाएगी। एम270 मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम एक अमेरिकी आर्मर्ड, सेल्फ प्रोपेल्ड, मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर है। सबसे पहले पहले एम270 को 1983 में अमेरिकी सेना को दिया गया था। बाद मे इस हथियार का इस्तेमाल ई नाटो देश भी करने लगे। अमेरिका और यूरोप में एम270 सिस्टम के 1,300 से अधिक यूनिट का निर्माण किया जा चुका है। इसके लिए 700,000 रॉकेट भी बनाए गए हैं।

एम270 रॉकेट लॉन्चर के तीन वेरिएंट बनाए गए हैं। इनमें से पहला एम26 की प्रभावी रेंज 32 किलोमीटर है। दूसरा, एम26ए1/ए2 45 किलोमीटर तक मार कर सकता है। वहीं, तीसरा एम30/31 की रेंज 70 से 80 किलोमीटर की बताई जा रही है। इस सिस्टम के अलग-अलग वेरिएंट को अमेरिका, ब्रिटेन, बहरीन, इजिप्ट, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, इजरायल, इटली, जापान, कतर, सऊदी अरब, दक्षिण कोरिया और तुर्की ऑपरेट करते हैं।

बड़े घरानों के एकाधिकार की वजह से छोटे रिटेलरों को हो रही हानि, कैट 1 जुलाई से शुरू करेगा अभियान

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के रिटेल एवं ई-कॉमर्स व्यापार में अत्यधिक दूषित वातावरण के मद्देनजर जिसमें एफएमसीजी, मोबाइल और अन्य अनेक व्यापार में बड़े कॉर्पोरेट घराने और वैश्विक ग्लोबल कंपनियों द्वारा एकाधिकार, वर्चस्व और प्रतिस्पर्धा-विरोधी कुरीतियों व्यापारिक प्रथाओं के चलते देश के छोट

कक्षा-१० बोर्ड की परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों के इंतजार का अंत

कक्षा १० का ६५.१८ फीसदी परिणाम घोषित, सूरत टॉप पर

९५८ केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसमें ७८१७०२ नियमित विद्यार्थी रजिस्टर्ड हुए थे, जिसमें से ७७२७७१ विद्यार्थी परीक्षा में उपस्थित हुए थे

गांधीनगर, ६ जून।

गुजरात शिक्षा बोर्ड द्वारा ली गई कक्षा १० की परीक्षा का ६५.१८ फीसदी परिणाम आज सुबह में घोषित किया गया है। बोर्ड की वेबसाइट ड्ढड्ढड्ढ.ह्यद्गड्ढ.ह्द पर विद्यार्थी परिणाम देख सकते है। राज्य में सबसे उच्च परिणाम सूरत जिले का ७५.६४ फीसदी रहा है जबकि सबसे कम परिणाम पाटण जिले का ५४.२९ फीसदी परिणाम आया है।

केंद्र अनुसार देखा जाए तो राज्य में राजकोट में स्थित रुपावटी केंद्र का परिणाम सबसे ज्यादा ९४.८० फीसदी घोषित हुआ है। राज्य में सबसे कम परिणाम वाला केंद्र दाहोद का रूवाबारी मुवाडा है, जिसका परिणाम १९.१७ फीसदी रहा है। एसएससी बोर्ड के परिणाम में भी लड़कियों के लड़कियों ने बाजी मारी है। इस बार लड़कों की अपेक्षा लड़कियों ने ११.७४ फीसदी ज्यादा परिणाम मिला है। राज्य में अप्रैल २०२२ में कुल ९५८ केंद्रों पर परीक्षा ली गई थी। जिसमें कुल मिलाकर ७८१७०२ नियमित विद्यार्थी रजिस्टर्ड हुए थे, जिसमें से ७७२७७१ विद्यार्थी परीक्षा में उपस्थित हुए थे और ५,०३,७२६ विद्यार्थी पास हुए थे। जबकि रिपीटर विद्यार्थी के तौर पर १,४०,४८५ विद्यार्थी रजिस्टर्ड हुए थे। जिसमें से १,३३,५२० विद्यार्थी उपस्थित हुए थे। जिसमें से ४१,०६३ परीक्षार्थी सफल हुए थे। बोर्ड के परिणाम में पास होने वाले विद्यार्थियों में से अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों का प्रतिशत ८१.५० फीसदी रही है जिसके सामने गुजराती माध्यम के विद्यार्थियों का प्रतिशत ६३.९६ फीसदी रहा है। जबकि कुल विद्यार्थियों में से १२,०९० विद्यार्थियों को ए१ ग्रेड मिला है। ५२,९९२ विद्यार्थियों ने ए२ ग्रेड, ९३,६०२ विद्यार्थियों को बी१ ग्रेड १,३०,०९७ विद्यार्थियों को बी२ ग्रेड, १,३७,६५७ विद्यार्थियों को सी१ ग्रेड और ७३,११४ विद्यार्थियों को सी२ ग्रेड मिला है। बोर्ड की परीक्षा में अनियमितता करने में शामिल ८४८ विद्यार्थियों का परिणाम आरक्षित रखा गया है। जिसकी रुबरू सुनवाई जिला स्तर पर की जाएगी।

जिला अनुसार देखने जाए तो अहमदाबाद शहर का परिणाम ६३.१८ फीसदी जबकि अहमदाबाद ग्रामीण का परिणाम ६३.९८ फीसदी रहा है। इसी तरीके से राजकोट जिले का परिणाम ७२.८६ फीसदी रहा है। जबकि वडोदरा का परिणाम ६१.२१ फीसदी रहा है। मोरबी का परिणाम ७३.७९ फीसदी रहा है। इस मौके पर राज्य के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और शिक्षामंत्री जीतूभाई वाघाणी ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामना दी है।

बोर्ड की वेबसाइट पर दोनों नेताओ ने विद्यार्थियों को शुभकामना देते हुए लिखा है कि, कक्षा १० का परिणाम जारी होने के अवसर पर सभी विद्यार्थियों को हृदयपूर्वक अभिनंदन और उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं। परिणाम मामले में बोर्ड द्वारा बताया गया कि विद्यार्थियों के मार्कशीट का वितरण मामले की घोषणा अब बाद में बोर्ड द्वारा की जाएगी। परीक्षा बाद अंक जांच, ऑफिस की जांच सूचनाएं लेकिन बोर्ड की वेबसाइट पर रखा जाएगा। परिणाम बाद नाम सुधारने की दरखास्त नियम नमूना में करने की होगी। पूरक परीक्षा की पात्रता वाले उम्मीदवारों की सूची स्कूलों को परिणाम के साथ भेज दिया जाएगा।

पाटण जिले का ५४.२९ फीसदी परिणाम आया है।

कक्षा १० का किस जिले में कैसा है परिणाम.....

गांधीनगर, ६ जून।

आज गुजरात माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा कक्षा १० बोर्ड का ६५.१८ फीसदी परिणाम घोषित किया गया है। बोर्ड की आधिकारिक ड्ढड्ढड्ढ.ह्यद्गड्ढ.ह्द वेबसाइट पर परिणाम रखा गया है। जिसमें सबसे ज्यादा सूरत जिले का ७५.६४ फीसदी परिणाम और सबसे कम परिणाम पाटण जिले का ५४.२९ फीसदी परिणाम आया है। १०० फीसदी परिणाम वाली २९४ स्कूलें है, जबकि ३० फीसदी से कम परिणाम वाली १००७ स्कूलें है। कक्षा १० का किस जिले में कैसा है परिणाम यह नीचे के अनुसार है।

अहमदाबाद का परिणाम

कक्षा-१० का अहमदाबाद शहर का ६३.१८ फीसदी परिणाम आया है, जबकि कक्षा-१० का अहमदाबाद ग्रामीण का परिणाम ६३.९८ फीसदी रहा हैं। अहमदाबाद में १२१ स्कूल का शून्य फीसदी परिणाम आया है। ३० फीसदी से कम परिणाम वाली १००७ स्कूलें शामिल है। अहमदाबाद शहर में ४८७५५ विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। जबकि अहमदाबाद ग्रामीण में ४०५८४ विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। अहमदाबाद शहर में ५ स्कूलों का १०० फीसदी परिणाम और अहमदाबाद ग्रामीण में ८ स्कूलों का १०० फीसदी परिणाम आया है।

सूरत का परिणाम

सूरत में कक्षा-१० के परिणाम से विद्यार्थी खुश देखने को मिल रहे है। सूरत जिले का सबसे ज्यादा ७५.६४ फीसदी परिणाम आया है।

जिसकी वजह से परिणाम घोषित होने पर ढोल नगारे के साथ जश्न मनाया गया। सूरत में २५३२ विद्यार्थियों ने पाया ए१ ग्रेड, ९२७४ विद्यार्थियों को मिला ए२ ग्रेड, १३३७१ विद्यार्थियों को मिला बी१ ग्रेड, १५१८० विद्यार्थियों को मिला बी२ ग्रेड, १३३६० विद्यार्थियों को मिला सी१ ग्रेड, ६२५६ विद्यार्थियों को मिला सी२ ग्रेड और ३२९ विद्यार्थियों को डी ग्रेड मिला है।

वडोदरा का परिणाम

वडोदरा में कक्षा-१० का बोर्ड का परिणाम घोषित हो चुका है। वडोदरा जिले का ६१.२१ फीसदी परिणाम आया है। ३७७५८ विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। जिसमें से ४७८ विद्यार्थियों को ए१ ग्रेड मिला है। डबका केंद्र का सबसे कम २७.३७ फीसदी परिणाम आया है। वासणा केंद्र का सबसे ज्यादा ७७.८२ फीसदी परिणाम आया है। परिणाम आने पर विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षक भी खुश दिखाई दे रहे हैं। कारेगीबाल में स्थित श्री नारायण विद्यालय में शिक्षकों ने विद्यार्थियों का मुंह मीठा कराकर बधाई दी। वडोदरा में कक्षा-१० की बोर्ड की परीक्षा का परिणाम घोषित हो चुका है। वडोदरा जिले का ६१.२१ फीसदी परिणाम आया है। जिसमें मनाली से लेह लदाख और पोरबंदर से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक साइकिल करने वाली समिधा पटेल भी पास हुई है। कक्षा-१० में पढाई करती साइकलिंग समय में किया था। व्यसन मुक्ति और स्वच्छता से एकता तरफ के संदेश के साथ साइकलिंग किया था। कक्षा १० परीक्षा में ९२ प्रतिशत आया है। ५ दिन तक समिधा पटेल ने साइकलिंग किया था। रोजाना ५ से ६ घंटे तक समिथा पटेल ने पढ़ाई की। एडवेंचर प्रवृत्तियों और टूर ट्रावेल्स का पिता का धंधा है।

राजकोट का परिणाम

राजकोट जिले का ७२.८६ फीसदी परिणाम आया है। जिले में सबसे ज्यादा रुपावटी केंद्र का ९४.८० फीसदी घोषित हुआ है जो राज्य में सबसे ज्यादा परिणाम वाला केंद्र है।

राजकोट जिले में ० फीसदीवाली ६ स्कूल और १०० फीसदी परिणाम वाली स्कूल की संख्या ३० है। वर्ष २०२० में राजकोट जिले का ६४.०८ फीसदी परिणाम था। लेकिन २०२२ में ८.७८ फीसदी ज्यादा परिणाम आया है। राजकोट जिले में ए१ ग्रेड में १५६१, ए२ ग्रेड में ४५६२, बी१ ग्रेड में ६६३७, बी२ ग्रेड में ७२९३, सी१ ग्रेड में ६११०, सी२ ग्रेड में २२६३, डी ग्रेड में ७३, ई१ ग्रेड में ०, ई१ ग्रेड में ५४४६ और ई२ ग्रेड में ५१७० विद्यार्थी शामिल है। राजकोट जिले में ३० फीसदी से कम परिणामवाली स्कूल की संख्या ६९ है।

छोटा उदेपुर का परिणाम

कक्षा-१० का बोर्ड की परीक्षा का परिणाम घोषित हो चुका है। छोटा उदेपर जिले का ६१.२० फीसदी परिणाम आया है। जिसमें १०३५२ विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी।

जिसमें से ६३३५ विद्यार्थी पास हुए है। राज्य में छोटा उदेपुर जिले का २५वां नंबर है। २०१९ में परिणाम ४६.३८, २०२० में ४७.९२, २०२१ में मास प्रमोशन, २०२२ में ६१.२० आया है। परिणाम आते विद्यार्थी, अभिभावक और शिक्षक खुश दिखाई दे रहे है। इसके अलावा जामनगर शहर का ६९.६८ फीसदी परिणाम, जूनागढ़ शहर का ६६.२५ फीसदी परिणाम, गांधीनगर शहर का ६५.८३ फीसदी परिणाम और भावनगर सहर का ६७.५८ फीसदी परिणाम आया है।

गुजरात एटीएस ने 50 किलो हेरोइन बरामद की, बाजार में कीमत 250 करोड़

अहमदाबाद, ६ जून।

गुजरात एटीएस और कोस्ट गार्ड ने गत सोमवार ३० मई की रात को ओखा निकट पाकिस्तान की नाव को चुनौती देने पर ड्रग्स के पैकेट समुद्र में फेंक दिया गया। समुद्री लहरों के साथ कच्छ के जखौ निकट बहकर पहुंचा ड्रग्स के ४९ पैकेट बीएसएफ ने सर्च के दौरान कब्जे में लिया है। एटीएस ने सात पाकिस्तानी को पकड़ा है। यह पाकिस्तानियों ने समुद्र में फेंका हुआ २५० करोड़ का ड्रग्स कब्जे में लिया गया है। बीएसएफ की आधिकारिक सूची में बताया है कि, ५ तारीख को सुबह में बीएसएफ-भूज की टीम ने जखौ मरीन पुलिस के साथ जखौ पोर्ट क्षेत्र में संयुक्त सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। सर्च के दौरान सयाली क्रीक के पास ड्रग्स के ४९ पैकेट मिल गये। यह पैकेट २५० करोड़ का हेरोइन होने की आशंका है और जांच के लिए भेजा गया है। पकड़े गये ४९ पैकेट पर कैफे गारमेंट और ब्ल्यू सेफायर ५५५ शब्द लिखा है। गत ३० मई की रात को कोस्ट गार्ड और एटीएस की टीम ने अंतर्राष्ट्रीय जलसीमा के पास, ओखा निकट सरक्रीक और जखौ पोर्ट के बीच एक पाकिस्तानी नाव को रोका था। यह नाव में से सात पाकिस्तानी नागरिकों को पकड़ लिया गया था। दूर से भारतीय एजेंसी की नाव आते देखकर पाकिस्तानी शख्सों ने ड्रग्स के पैकेट समुद्र में फेंक दिया। भुज बीएसएफ ने यह अनुमान लगाया था कि, पाकिस्तानी नाव में से समुद्र में फेंके गये ड्रग्स के पैकेट पाकिस्तान तरफ से आती समुद्री लहरों के साथ भारतीय समुद्री किनारे पर आ सकता है। भूज बीएसएफ हाई अलर्ट पर थी और लगातार सर्च ऑपरेशन करने पर ड्रग्स के ४९ पैकेट सफलतापूर्वक कब्जे में लिया गया है। गत ३० तारीख की रात को सौराष्ट्र की समुद्री सीमा में पाकिस्तानी नाव घुस आने पर कोस्ट गार्ड ने गुजरात एटीएस की टीम ने इसे पकड़ लिया था। एटीएस को जानकारी मिली थी कि पाकिस्तानी की अल नोमान नाम की नाव में नशीला या आपत्तिजनक पदार्थ लेकर कुछ असामाजिक तत्व गैरकानूनी रूप से घुस सकते है।

गुजरात में कक्षा 1 से कक्षा 3 के बच्चों को पढ़ाई जाएगी अंग्रेजी

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में गुजराती माध्यम की स्कूलों में कक्षा 1 से कक्षा 3 के बच्चों को अंग्रेजी विषय पढ़ाया जाएगा कक्षा 1 और 2 में मौखिक और कक्षा 3 में होगी राज्य के शिक्षा मंत्री जीतु वाघाणी ने यह घोषणा करते हुए बताया कि कक्षा 1 से 3 के विद्यार्थियों को शब्दों और चित्रों के जरिए अंग्रेजी की शिक्षा दी जाएगी कम आयु के बच्चों की यादशक्ति अच्छी होती है और वह शब्दों व चित्रों के जरिए बेहतर तरीके से अंग्रेजी सीख सकते हैं इसलिए बचपन से ही बच्चों को अंग्रेजी पढ़ाने का फैसला किया गया हैं स्कूलों में कमजोर बच्चों को संबंधित विषय की शिक्षा दी जाएगी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा मंत्री ने कोरोनाकाल में हुए लर्निंग लोस घटाने के प्रयास करने का आह्वान किया उन्होंने कहा कि ग्रीष्मोत्सव की भांति शरदोत्सव भी मनाया जाएगा छुट्टियों में विद्यार्थियों को अलग अलग प्रवृत्तियों से जोड़ा जाएगा गौरतलब है राज्य में फिलहाल कक्षा 5 से अंग्रेजी पढ़ाई जाती है और मौजूदा दौर में अंग्रेजी ज्ञान बेहद जरूरी हो गया हैं ऐसे में गुजरात के विद्यार्थी अंग्रेजी में पीछे नहीं रह जाएं, इसके लिए राज्य सरकार ने कक्षा 1 से अंग्रेजी की शिक्षा देने का फैसला किया हैं इसके अंतर्गत कक्षा 1 और 2 में बच्चों को मौखिक शिक्षा दी जाएगी जिसमें मौखिक शब्द और चित्रों के जरिए अंग्रेजी सिखाई जाएगी जबकि कक्षा 3 में पुस्तकों के जरिए पढ़ाया जाएगा बचपन से ही अगर बच्चों की अंग्रेजी पर पकड़ मजबूत होगी तो उन्हें भविष्य किसी भी मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़ेगा

अहमदाबाद मंडल पर ''विश्व पर्यावरण दिवस'' का आयोजन

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 06 जून 2022 को अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पदमश्री कार्तिकेय साराभाई, सेंटर फॉर एनवायरनमेंट एज्युकेशन के डायरेक्टर द्वारा अहमदाबाद स्टेशन पर ''रियल टाइम एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग सिस्टम'' का उद्घाटन किया गया, साथ ही अहमदाबाद रेलवे स्टेशन से कचरा परिवहन के लिए सौर ऊर्जा संचालित हाइड्रोलिक टिपलर ई-वाहन का उद्घाटन भी किया गया। अहमदाबाद को हरा-भरा करने के उद्देश्य ''इच वन, प्लांट वन एंड अडॉप्ट वन'' अभियान के तहत 200 से अधिक पौधों का रेलवे स्टाफ और यात्रियों को वितरण किया गया। भविष्य में संयुक्त वृक्षारोपण करने के लिए मंडल रेल प्रबंधक तथा सेंटर एनवायरनमेंट एजुकेशन की टीम के साथ रोड मैप के संबंध में बैठक की गई। प्रकृति की रक्षा के लिए सकारात्मक पर्यावरणीय कार्रवाई शुरू करने की दृष्टि के साथ - साथ पर्यावरण के प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से इस वर्ष अहमदाबाद मण्डल पर 'ओनली वन अर्थ' थीम पर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। साबरमती न्यू रेलवे कॉलोनी ग्राउंड में मंडल रेल प्रबंधक तरुण जैन तथा सभी शाखा अधिकारियों, रेल कर्मचारियों तथा स्काउट एवं गाइड द्वारा बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया गया तथा 200 से अधिक पौधों का वितरण भी किया गया। मण्डल रेल प्रबंधक ने सभी से अपनी भावी पीढ़ी हेतु वृक्ष लगाने के लिए आव्हान किया। इस अवसर पर मण्डल रेल प्रबंधक जैन, सभी शाखा अधिकारी, रेल कर्मचारी, पदमश्री साराभाई एवं सेंटर फॉर एनवायरनमेंट एज्युकेशन की टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

15 जून को अहमदाबाद रेल मंडल पर पेंशन अदालत का आयोजन

रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार सेवा निवृत्त कर्मचारियों के पेंशन संबन्धित प्रश्नों के त्वरित निपटारे के लिए अहमदाबाद रेल मंडल पर 15 जून, 2022 को पेंशन अदालत का आयोजन किया जा रहा है।

अधिक जानकारी देते हुए मण्डल रेल प्रवक्ता अहमदाबाद ने बताया कि पेंशनर/फेमिली पेंशनर के पेंशन संबंधित शिकायतों के निवारण हेतु मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय अहमदाबाद में दिनांक 15.06.2022 (बुधवार) को पेंशन अदालत का आयोजन किया गया है।

अहमदाबाद मंडल से जो भी कर्मचारी रेल सेवा से सेवानिवृत्त हुए हैं वह पेंशनर/फैमिली पेंशनर अपनी पेंशन संबंधित शिकायतें है। वह अपना आवेदन (तीन प्रतियों में) दिनांक 11.06.2022 तक मंडल रेल प्रबंधक (स्था) कार्यालय, पश्चिम रेलवे अहमदाबाद मण्डल, उएए हॉस्पिटल के सामने अमदुपुरा,अहमदाबाद को भेज सकते हैं। आवेदन में अपना नाम, पदनाम, अंतिम वेतन, भर्ती तिथि, सेवानिवृत्ति की तिथि PPO प्रति एवं शिकायत का प्रकार अवश्य दर्ज करें। यदि कोई पेंशनर ईमेल द्वारा आवेदन करना चाहे तो वह दी गई ईमेल ID-pensionadalat2020adi@gmail.com पर भी आवेदन कर सकते हैं।

केयर्न का 'बदलता बाड़मेर' कैम्पेन्न पीआरसीए एपीएसी और ईटी कैलीडो अवाड्र्स में विजेता बना

नई दिल्ली, 4 जून, 2022: केयर्न ऑयल एंड गैस का 'बदलता बाड़मेर' कैम्पेंन पीआरसीए एशिया पैसिफिक अवाड्र्स 2022 और चौथे ईटी कैलीडो अवाड्र्स 2022 में विजेताबना है। इस कैम्पे न ने पीआरसीए एपीएसी अवाड्र्स में 'स्ट्रैटेजिक कम्युननिकेशंस अवार्ड' जीता है और ईटी कैलीडो अवाड्र्स में 'एनर्जी' कैटेगरी के तहत 'सिल्वमर अवार्ड' जीता है। बाड़मेर, राजस्थांन में कंपनी के मुख्यै परिचालन क्षेत्र पर केन्द्रित कैम्पे न का लक्ष्यव उस अच्छेव काम के संदेश को फैलाना है, जो केयर्न जमीनी स्त र पर कर रही हैऔर जिसमें सर्वांगीण विकास शामिल है। इस कैम्पेकन ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिये क्रूड के उत्पीदन को दोगुना करने के कंपनी के व्यालवसायिक विचार को आगे बढ़ाने में उसकी मदद की है।

यह दोनों पुरस्काार कम्यु निकेशंस की दुनिया में सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कानरों में शामिल माने जाते हैं। पीआरसीए अवाड्र्स का आयोजन वार्षिक आधार पर पूरी दुनिया में होता है और यह जनसंपर्क के क्षेत्र में सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कासरों में शामिल हैं। ईटी ब्राण्डनइक्विटी द्वारा वार्षिक आधार पर आयोजित होने वाले कैलीडो अवाड्र्स का लक्ष्या है जनसंपर्क और कॉर्पोरेट कम्युणनिकेशंस में किये जाने वाले प्रेरक काम को सम्मा्नित करना।

पुरस्कासर लेते हुए, केयर्न ऑयल एंड गैस, वेदांता लिमिटेड की चीफ कम्युनिकेशन ऑफिसर राशिका कौल ने कहा, ''हम अपने 'बदलता बाड़मेर' कैम्पेलन के लिये पीआरसीए और ईटी कैलीडो से सम्माकन पाते हुए विनम्रता का अनुभव कर रहे हैं। हम अपने परिचालन के प्रमुख क्षेत्र बाड़मेर और राजस्थानन के दूसरे ग्रामीण अंचलों में केयर्न की सफलता की गाथा का प्रचार करने के लिये पिछले वर्ष से यह कैम्पे न चला रहे हैं। यह कैम्पे न 210 गाँवों तक पहुँचा है और इसमें लगभग 80,000 निवासियों की सक्रिय भागीदारी रही है। बदले में हमें स्थाकनीय निवासियों तक पहुँचने और उनकी सद्भावना पाने में मदद मिली है, क्योंकि वे एक मुख्यि साझीदार हैं।''

भारत का पहला जलरोधी सीमेंट- एसीसी गोल्ड वाटर शील्ड, जो आपके घर को रिसाव और सीलन से बचाता है

मुंबई, 6 जून, 2022- भारत के सबसे भरोसेमंद और अभिनव सीमेंट निर्माताओं में से एक एसीसी लिमिटेड ने एसीसी गोल्ड वाटर शील्ड विकसित किया है - जो उच्च गुणवत्ता वाले वाटर रिपेलेंट गुणों के साथ देश का पहला विशेष रूप से तैयार सीमेंट है। उत्पाद, गुणवत्ता और टिकाऊ उत्पादों को विकसित करने में उद्योग मानक स्थापित करने की एसीसी की परंपरा की दिशा में यह एक और प्रोडक्ट है, जो यह सुनिश्चित करता है कि कैसा भी स्ट्रक्चर हो, वह सस्टेनेबल और नमी या रिसाव से पूरी तरह सुरक्षित हो।

लंबे समय तक नमी बरकरार रहने पर भवन निर्माण सामग्री का जीवनकाल काफी कम होता है। जब पानी कंक्रीट में प्रवेश करता है, तो भवन की सामग्री को नुकसान होता है और इमारत पर इसका तत्काल और दीर्घकालिक प्रभाव हो सकता है और यहां तक कि स्ट्रक्चर विफल भी हो सकता है, अगर समस्या का जल्दी और सफलतापूर्वक निपटारा नहीं किया जाता है। एसीसी गोल्ड वाटर शील्ड विशेष रूप से तैयार सीमेंट है, जिसे उच्च गुणवत्ता जलरोधी गुणों के साथ तैयार किया गया है। पार्टिकल लेवल पर वाटर रिपेलेंस के साथ तैयार यह सीमेंट केपिलरी एक्शन को कम करता है और इस प्रकार घरों को नमी और रिसाव से बचाता है।

'आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को साकार कर रही गुजरात सरकार

- स्थानीय स्तर पर रोजगार पैदा होने से गुजरात के आदिवासी बंधु बने आत्मनिर्भर

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरात में आदिवासी विकास के प्रयासों को और अधिक प्रभावी एवं वेगवान बनाने के लिए राज्य सरकार ने स्थानीय स्तर पर ही रोजगार के अवसरों का सृजन करने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाएं कार्यान्वित की हैं। राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनजातीय क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए 'वनबंधु कल्याण योजना' शुरू की थी। इस योजना को आगे बढ़ाते हुए मौजूदा सरकार ने 1 लाख करोड़ रुपए की वनबंधु कल्याण योजना-2 को पांच वर्षों के लिए कार्यान्वित किया है। गुजरात के आदिवासी बंधु अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को बरकरार रखते हुए विकास की यात्रा में जुड़कर राज्य की प्रगति में योगदान दे रहे हैं। राज्य सरकार ने वनबंधुओं के कल्याण एवं उत्कर्ष के लिए आदिवासी बहुल क्षेत्रों में स्थानीय रोजगार का सृजन कर स्वरोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध कराए हैं, जो आज गुजरात के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि में महत्वपूर्ण बना है। सरकार ने कृषि क्षेत्र में उत्पादन बढ़ाकर, पशुपालन और दुग्ध उद्योग आधारित गतिविधियों का विस्तार कर, आदिवासी युवाओं को गुणवत्ता युक्त कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर तथा आधुनिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी सुविधाओं का विकास कर उसे आदिवासी युवाओं के बढ़ते आजीविका के अवसरों के साथ जोड़ने के लिए निम्नांकित महत्वपूर्ण गतिविधियों के साथ अन्य स्वरोजगार उन्मुख गतिविधियां शुरू की हैं।

आदिवासी बहुल क्षेत्रों में हाट बाजार की योजना

आदिवासी लोग आम तौर पर अपने उत्पादों व उपजों की बिक्री परंपरागत तरीके से तथा स्थानीय लोगों द्वारा निर्धारित दिन पर सड़कों पर बैठकर करते हैं। अपनी कमजोर स्थिति के कारण वे शेड या दुकान नहीं बना पाते। इसलिए राज्य सरकार ने आदिवासियों की घनी आबादी वाली हर तहसील में हाट शुरू करने का निर्णय किया है। गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में ऐसे लगभग 182 साप्ताहिक हाट बाजार लगते हैं। इन जगहों पर स्थानीय स्तर पर पैदा होने वाले कृषि उत्पाद, सब्जियां, मसाले, गौण वनोपज, जंगली फल, शहद, कपड़ा, पालतु पक्षी, अंडा, पशु और मछली आदि चीजों की उचित मूल्य पर बिक्री होती है। यहां वस्तुओं की कीमत अन्य बाजारों की तुलना में कम होती है। गुजरात सरकार ने आदिवासी बहुल क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर शेड युक्त प्लेटफार्म, पार्किंग, टॉयलेट, बिजली और पानी की सुविधा तथा सुरक्षा व्यवस्था आदि अद्यतन सुविधाओं के साथ आधुनिक हाट बाजार विकसित करने का आयोजन किया है। इससे स्थानीय लोगों के लिए उन स्थानों से वस्तुओं की खरीदारी आसान हुई है। इन हाट बाजारों में बड़ी संख्या में आदिवासी बंधुओं को अपने उत्पादों की बिक्री के लिए विशाल जगह और सुविधाएं प्राप्त हुई हैं।

कृषि विविधीकरण योजना

यह योजना जनजातीय क्षेत्रों के आदिवासी समुदायों विशेषकर गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज, खाद और संबंधित प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए क्रियान्वित की गई है। कृषि विविधीकरण योजना में मक्का, करेला, लौकी, टमाटर, बैंगन, बाजरी और रागी जैसी फसलों का समावेश किया गया है। योजना के अंतर्गत हिस्सा लेने वाले लाभार्थी किसानों को बीज और खाद की किट प्रदान की जाती है। इसके साथ ही इन लाभार्थी किसानों को खेती पद्धति का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। इसके लिए कृषि सेवा प्रदाताओं, उर्वरक निर्माता कंपनियों और कृषि विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी की गई है। कृषि विविधीकरण योजना के अंतर्गत आदिवासी लाभार्थियों के लिए वर्तमान बजट वर्ष में 30 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

एकीकृत डेयरी विकास कार्यक्रम

यह योजना डेयरी उद्योग को गुजरात के गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले (बीपीएल) आदिवासी परिवारों के लिए गतिशील आय उत्पन्न करने वाले उद्यम के रूप में रूपांतरित करने के लिए आदिवासी समुदाय के लिए बनाई गई है। इस योजना का उद्देश्य प्रोजेक्ट की अवधि पूर्ण होने तक प्रत्येक सहभागी मकान में कम से कम चार पशुओं की इकाई उपलब्ध कराना है, ताकि डेयरी उद्यम पूर्णकालिक व्यवसाय बने। इनमें से दो पशु प्रोजेक्ट के अंतर्गत प्रदान किए जाते हैं और दो पशुओं को बेहतर तरीके से पशु देखभाल-प्रबंधन और पालन-पोषण प्रथाओं में प्रोजेक्ट सहायता के मार्फत लाभार्थियों के घर पर विकसित किया जाता है। इस योजना के तहत प्रति लाभार्थी लगभग 80,000 से 84,000 रुपए का निवेश होता है। इसके अन्य फायदों में ऋण एवं सब्सिडी के जरिए दुधारू पशुओं का प्रावधान, पशु स्वास्थ्य और सपोर्ट सेवाएं तथा स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए वित्तीय सहायता शामिल है। योजना के तहत आदिवासियों को लगभग 1,42,250 पशु प्रदान किए गए हैं। योजना से जुड़े लाभार्थी प्रतिमाह 3500 से 4000 रुपए की आय अर्जित कर रहे हैं, जो इस योजना की मुख्य उपलब्धि है। इस योजना के अंतर्गत आदिवासी क्षेत्र के सात जिला सहकारी दूध उत्पादक संघों तथा प्रतिष्ठित एनजीओ के साथ साझेदारी की गई है। आदिवासी लाभार्थियों के लिए एकीकृत डेयरी विकास कार्यक्रम के अंतर्गत वर्तमान बजट वर्ष 2022-23 में 27 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

अब रोंग साइड वाहन चलाने वालों की अब खैर नहीं

अहमदाबाद में आज से एचएसआरपी नंबर प्लेट और गलत साइड ड्राइविंग के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस का अभियान शुरू हो गया है

अहमदाबाद, ६ जून।

अहमदाबाद में आज से एचएसआरपी नंबर प्लेट और गलत साइड ड्राइविंग के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस का अभियान शुरू हो गया है। ५ जून से ११ जून तक पूरे शहर में ट्रैफिक पुलिस अभियान चलाएगी। रोंग साइड में वाहन चलाने की वजह से बड़ी संख्या में हादसे होते हैं और उसके बाद एचएसआरपी नंबर प्लेट नहीं होने की वजह से अपराधी पुलिस की गिरफ्त में नहीं आता। इसलिए अब एक सप्ताह तक बिना एचएसआरपी नंबर प्लेट के गलत साइड से वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई करेगी। उल्लेखनीय है कि ५ जून से ११ जून तक पूरे शहर में गलत साइड वाहन चलाने वाले और बिना एचएसआरपी नंबर प्लेट के वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान के दौरान पुलिस ज्यादा से ज्यादा लोगों से जुर्माना वसूलेगी। बिना एचएसआरपी नंबर प्लेट के पकड़े जाने पर एक हजार रुपया, रोंग साइड से चलने पर १५०० रुपया और कार चालक से ३००० रुपये और ट्रक - बस जैसे बड़े वाहनों से ५००० रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। अब लेकिन ज्यादातर मामलों में दोषी चालक बिना एचएसआरपी नंबर प्लेट वाले वाहन से होते हैं। अब जिसकी वजह से उनका न ही पुलिस और न ही आरटीओ के पास कोई रिकॉर्ड होता है। लेकिन नतीजतन दुर्घटना करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो पाती है। अब लेकिन पुलिस आयुक्त संजय श्रीवास्तव ने दुर्घटनाओ को कम करने के साथ साथ बिना एचएसआरपी के यात्रा करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए ५ जून से ११ जून तक एक सप्ताह का विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। यातायात पुलिस को निर्देश दिया गया है कि अभियान की पूरी जानकारी हर थाने से जुड़े लोग हर रात अपने वरिष्ठ अधिकारी को देंगे। इस अभियान को सफल बनाने के लिए १०० से ज्यादा जगहों पर पुलिस को तैनात किया जाएगा।

दीव के समुद्र में नहाने पर लगा प्रतिबंध, उल्लंघन करने पर होगी कानूनी कार्रवाई

गिर सोमनाथ (ईएमएस) दीव के समुद्र में अगले तीन महीने तक नहाने पर प्रशासन ने प्रतिबंध लगा दिया हैं वर्षा ऋतु के दौरान दीव के समुद्र में किसी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के उद्देश्य से प्रशासन ने यह फैसला किया हैं गुजरात से सटे पर्यटन स्थल दीव के नागवा बीच, जलनधर बीच और घोघला बीच पर बड़ी संख्या सैलानी आते हैं और समुद्र में नहाने का मजा उठाते हैं बारिश के दौरान समुद्र में तूफानी हो जाता है और ऊंची ऊंची लहरें उठती हैं, जिसकी वजह से समुद्र में नहाने पर रोक लगा दी जाती आमतौर पर दीव के बीच पर 15 जून से समुद्र में नहाने पर रोक लगाई जाती है, लेकिन इस वर्ष मॉनसून के जल्द आगमन की संभावना को देखते हुए 1 जून से प्रतिबंध लगा दिया गया हैं गर्मी से छुटकारा पाने के लिए सैलानी समुद्र में गोते लगाते हैं, लेकिन प्रशासन के प्रतिबंध से उस पर रोक लग गई हैं दीव में आगामी 31 अगस्त 2022 तक समुद्र में नहाने पर प्रतिबंध रहेगा फिलहाल बीच पर बड़ी संख्या में पुलिस जवानों को तैनात कर दिया गया है, ताकि कोई भी सैलानी समुद्र की ओर जा ना पाए प्रशासन के इस फैसले से दीव आनेवाले सैलानियों में काफी नाराजगी हैं सैलानियों का कहना है कि वह समुद्र में नहाने की मजा लेने ही दीव आते हैं परंतु प्रशासन ने इस पर प्रतिबंध लगा दिया हैं प्रशासन के इस फैसले के चलते दीव बीच सूनसान नजर आ रहे हैं

मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना' के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा अब तक 587.50 करोड़ रुपए आवंटित किए गए

अहमदाबाद (ईएमएस) राज्य के महानगरों तथा नगरों के आउटग्रोथ क्षेत्रों